राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 14, अंक 257 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, शुक्रवार 18 जुलाई 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्र विधानसभा में हनीट्रैप मामला गरमाया, कार्रवाई की मांग पर विपक्ष का वॉकआउट

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा में गुरुवार को तथाकथित हनीट्रैप प्रकरण को लेकर हंगामा मचा है। सरकार पर कार्रवाई न करने और मामले को गंभीरता से न लेने का आरोप लगाते हुए विपक्षी दलों ने विधानसभा से वॉकआउट कर दिया। यह मुद्दा सबसे पहले कांग्रेस नेता नाना पटोले ने उठाया। उन्होंने इस गंभीर मामले की जांच और ठोस कार्रवाई की मांग की थी। पिछले दिन विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने सरकार को निर्देश दिया था कि इस पर उचित कार्रवाई कर सदन को जवाब दिया जाए।

नाना पटोले ने गुरुवार को दोबारा मामले को उठाया। उनकी मांग का एनसीपी-एसपी नेता जयंत पाटिल और शिवसेना (उद्धव गुट) के विधायक भास्कर जाधव ने समर्थन दिया। इसके बाद अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने सरकार को स्पष्ट निर्देश दिए कि शुक्रवार को अधिवेशन के समाप्त होने से पहले इस मुद्दे पर कार्रवाई कर सदन को जानकारी दी जाए। इस पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सहमति जताई और कार्रवाई का आश्वासन भी दिया।

हालांकि, विपक्ष का कहना है कि सरकार इस संवेदनशील विषय को लेकर ढीलापन दिखा रही है और जनता के साथ न्याय नहीं कर रही है। इन आरोपों के बाद विपक्षी विधायकों ने सदन से वॉकआउट कर दिया।

जयपुर के दादिया में गरजे अमित शाह : राजस्थान में पेपरलीक माफिया पर कसा शिकंजा, आतंकियों को घर में घुसकर मारा

जयपुर। शहर से करीब 22 किलोमीटर दूर दादिया गांव में आयोजित सहकारिता सम्मेलन में केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को राज्य और देश की राजनीति को लेकर कई तीखे बयान दिए। उन्होंने कहा कि राजस्थान लंबे समय तक पेपरलीक जैसी समस्याओं से जूझता रहा, लेकिन अब भजनलाल सरकार ने स्क्वॉड का गठन कर इस माफिया तंत्र के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की है। इससे यह स्पष्ट संकेत गया है कि अब सरकारी भर्तियों के नाम पर किसी को खिलवाड़ नहीं करने दिया जाएगा। शाह ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में देश बार-बार आतंकी हमलों का शिकार होता रहा। चाहे मुंबई हो या जम्मू-कश्मीर, हर बार निर्दोषों की जान गई। लेकिन मोदी सरकार ने आतंकवादियों को उनके घर में घुसकर सबक सिखाया है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि पाकिस्तान में घुसकर उनके आतंकी ठिकानों को तबाह किया गया।

मुख्यमंत्री ने बीजापुर के युवा ग्रेजुएट पंच का बढ़ाया हौसला

बस्तर का हर गांव बनेगा आपका अच्छा गांव- मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

बीजापुर जिले के युवाओं से मुख्यमंत्री ने की आत्मीय मुलाकात

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ विधानसभा परिसर में स्वामी विवेकानंद युवा प्रोत्साहन योजना के तहत राजधानी रायपुर के भ्रमण पर आए बीजापुर जिले युवाओं से मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री साय इन युवाओं से बहुत आत्मीयता से मिले और उनसे राजधानी रायपुर भ्रमण के अनुभवों को जाना। मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर का हर गांव आपका अच्छा गांव बनेगा। बस्तर के विकास को अब कोई नहीं रोक सकता। बस्तर का युवा आज आत्मविश्वास से भरा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बीजापुर जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों से आये युवाओं से उनका हाल-चाल जाना और आत्मीय चर्चा की। मुख्यमंत्री ने युवाओं से पूछा कि वे विगत डेढ़ वर्षों में क्या परिवर्तन महसूस कर रहे हैं ? युवाओं ने बताया कि बहुत परिवर्तन है। अब हमारे क्षेत्र में सड़कें बन रही हैं, बिजली की व्यवस्था हुई है और आंगनबाड़ी केंद्र भी खुल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर का विकास हमारी सरकार की प्राथमिकता है। युवाओं ने बताया कि उनके गांव में अब मोबाइल टावर भी लग रहे हैं। युवाओं ने मुख्यमंत्री को बताया कि वे कल राजधानी रायपुर आये हैं। उन्होंने मुक्तांगन, जंगल सफारी सहित अन्य जगहें देखी हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने युवाओं से कहा कि वे राजधानी रायपुर के भ्रमण के अनुभव का पूरा लाभ उठाएं।

उल्लेखनीय है कि स्वामी विवेकानंद युवा प्रोत्साहन योजना के तहत बीजापुर जिले के नियद नेल्लानार ग्राम पंचायतों के 100 युवा राजधानी रायपुर के भ्रमण पर आये हैं। जिसके अंतर्गत आज ये युवा छत्तीसगढ़ विधानसभा पहुंचे। इस अवसर पर वनमंत्री केदार कश्यप, विधायक किरण देव, संपत अग्रवाल, ईश्वर साहू सहित गणमान्यजन उपस्थित थे।

पढ़ाई-लिखाई और गतिविधियों के विषय में जानकारी ली

मुख्यमंत्री श्री साय ने युवाओं से उनकी पढ़ाई-लिखाई और गतिविधियों के विषय में जानकारी ली। बीजापुर के एक युवा ने मुख्यमंत्री श्री साय को बताया कि वह जूलॉजी विषय से बीएससी कर चुका है और वर्तमान में वह अपने गांव का पंच है। उसका एक साथी भी पंच निर्वाचित हुआ है। मुख्यमंत्री ने इन युवाओं के जज्बे की सराहना की और उनका हौसला बढ़ाया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने बच्चों से पूछा- कितने बच्चे इंस्टाग्राम चलाते हैं ? जब इस प्रश्न पर कई बच्चों ने हाथ उठाया तो मुख्यमंत्री ने आश्चर्यमिश्रित मुस्कान के साथ कहा- अब बस्तर के हमारे बच्चे भी समय के साथ हाईटेक हो रहे हैं। ये सुनकर ठहाके गूंज उठे। मुख्यमंत्री ने इस बात पर खुशी जाहिर की कि युवा अपडेट हैं और तकनीक को समझ रहे हैं।

लखनऊ को स्वच्छता में देश में तीसरा और यूपी में पहला स्थान, राष्ट्रपति ने किया सम्मानित

महापौर सुषमा खर्कवाल और नगर निगम टीम को मिली ऐतिहासिक सफलता

लखनऊ (एजेंसी)। स्वच्छता के क्षेत्र में देशभर में कीर्तिमान स्थापित करते हुए स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 में राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा और उत्तर प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। यह सम्मान भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित भव्य समारोह में नगर निगम लखनऊ को प्रदान किया।कार्यक्रम में केंद्रीय ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री मनोहर लाल, प्रदेश के नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा, महापौर सुषमा खर्कवाल, पूर्व नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह, नगर आयुक्त गौरव कुमार, अपर नगर आयुक्त डॉ. अरविंद कुमार राव और जीएम जलकल कुलदीप सिंह मंच पर मौजूद थे। समारोह में राष्ट्रपति ने इस सर्वेक्षण को विश्व का सबसे बड़ा नागरिक सहभागिता आधारित अभियान बताया जिसमें लगभग 14 करोड़ नागरिकों ने भागीदारी की।

लखनऊ नगर निगम ने इस सर्वेक्षण में लगभग सभी मूल्यांकन बिंदुओं पर शानदार प्रदर्शन किया। डंप साइट्स के वैज्ञानिक निष्पादन, 97त्न स्रोत-स्तरीय कचरा पृथक्करण, 100त्न प्रोसेसिंग, निर्माण और विध्वंस कचरे का अलग संग्रह, तालाबों की सफाई, शौचालयों की उपलब्धता, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, बायोमाइनिंग, सफाई मित्रों की सुरक्षा और नागरिकों की भागीदारी जैसे मानकों पर नगर निगम ने उत्कृष्ट अंक प्राप्त किए।शिवरी संयंत्र में प्रतिदिन 2100 टन कचरे का वैज्ञानिक निस्तारण हो रहा है। 6.5 लाख टन पुराने कचरे का निष्पादन किया गया।

बायो-सीएनजी संयंत्रों की स्थापना के साथ 150 टन जैविक खाद भी बनाई जा रही है। नगर निगम ने सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ जब्त सामग्री से गमले, कुर्सियां और मेज तैयार कर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी नवाचार किए हैं। 9.6 टन प्लास्टिक से बनी 2 किमी सड़क इसका प्रमाण है।नगर निगम ने 1250 ई-वाहनों से डोर-टू-डोर कचरा संग्रह और उसके लाइव मॉनिटरिंग की व्यवस्था की है।

अरेकेल कुड़ेकेल मार्ग अति जर्जर, कीचड़ से लथपथ होकर स्कूल जाते हैं बच्चे

बसना (समय दर्शन)। बसना शहर से लगे ग्राम अरेकेल को जोड़ने वाली मुख्य पी डब्ल्यू डी सड़क विगत वर्ष से खराब है। इस रास्ते में चलना मुसीबत मोल लेने से कम नही है। बसना शहर एवं बंसूला डीपा सीमा खतम होते ही सड़क मे लबालब कीचड़ व पानी भरे गड्ढे लोगों को डरा रहे हैं। यहाँ आये दिन अनेक हादसे हो रहे हैं । गलती से ट्रेक्टर आदि वाहन को साईड देते समय मोटरसाइकिल इन गड्ढों में फंस रहे हैं। साईकिल एवं पैदल चलने वालों के लिए यह आम रास्ता मुसीबत से कम नहीं है । विगत वर्ष लोगों के तकलीफ से वाकिफ हो कर इस मार्ग की मरम्मत के लिए जब समय दर्शन की टीम व पत्रकार बंधुओं ने मुहिम छेड़ा, तो पी डब्ल्यू डी विभाग के अधिकारी डी पी जोशी ने अपने कर्मचारी व जेसीबी लगाकर रोड मे बने गड्ढों से कीचड़ व पानी को साफकरवाया था। मखमल में टाट का पैबंध की तरह छुट पुट काम करके विभाग पल्ला झाड़ लेती है। बरसात आने से लोगों को बसना आने जाने मे मुसीबत का सामना करना पड़ता है ।

रोड मरम्मत व निर्माण के लिए ग्रामीणों द्वारा कई बार आवेदन निवेदन करने के बावजूद भी शासन प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रही है ।

विभागीय अधिकारी डी पी जोशी ने बताया कि स्थानीय विधायक एवं सांसद महोदया के प्रयासों से नंदलाल मिश्रा के घर से कुड़ेकेल नाला तक 1:2 किलोमीटर का सड़क निर्माण हेतु उपरोक्त कार्यालय को 1:86 लाख रूपये सेंक्शन हेतु प्रपोजल भेजा जा चुका है । राशि स्वीकृत होते ही संभवत: बरसात के बाद इस रोड का निर्माण होगा। उन्होने बताया कि, बरसात के मौसम को देखते हुए फिलहाल दो चार दिन मे सड़क के गड्ढों मे गिट्टी डालकर सुधारा जाएगा।

आज औद्योगिक क्रांति एवं डिजिटल दुनियां के युग मे भी लोगों को राह मे चलने के लिए भी, लडाई लड़ने को विवश होना पड़ रहा है।

विभाग के सुस्त रवैये से अरेकेल, कुड़ेकेल वासियों के आम रास्ते मे कीचड़ और दलदल से भरे गड्ढों से होकर गुजरना मजबूरी है।

इस सड़क की दयनीय दशा को देखते हुए लोगों के मन मे फूटते गुस्से के चलते लामबंद होना सहज है। ग्रामीणों का कहना है कि,सड़क को अतिसीघ्र सुधारा नहीं गया तो,और ऐसी हालात रही तो हम आंदोलन के लिए मजबूर होंगे । जिसकी जिम्मेदारी विभाग और शासन प्रशासन की होगी।

जांच से पहले निष्कर्ष निकालना गैर-जिम्मेदाराना', विदेशी मीडिया के भ्रामक कवरेज पर AAIB

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद में हुए एअर इंडिया विमान हादसे को लेकर कुछ अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों की तरफसे लगातार फैलाए जा रहे असत्य और अपुष्ट दावों पर भारत की विमान दुर्घटना जांच एजेंसी एएआईबी ने कड़ी आपत्ति जताई है। एजेंसी ने इसे गैर-जिम्मेदाराना और जांच की निष्पक्षता को नुकसान पहुंचाने वाला बताया है। एएआईबी की यह प्रतिक्रिया द वॉल स्ट्रीट जर्नल की उस रिपोर्ट के बाद आई है, जिसमें दावा किया गया कि दुर्घटनाग्रस्त हुए विमान के कॉकपिट रिकॉर्डिंग में एक पायलट की तरफसे जानबूझकर इंजन में ईंधन की आपूर्ति बंद करने की बात सामने आई है। एएआईबी ने अपने बयान में कहा, 'हमने देखा है कि कुछ अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थाएं जांच पूरी होने से पहले ही मनगढ़ंत निष्कर्ष निकालने की कोशिश कर रही हैं। यह बेहद गैर-जिम्मेदाराना है।' एजेंसी ने कहा, 'जांच अभी पूरी नहीं हुई है। ऐसे में किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। कृपया भ्रामक सूचनाएं फैलाने से बचें, क्योंकि इससे जांच की निष्पक्षता प्रभावित हो सकती है।

अशोक गहलोत का अमित शाह पर हमला, कन्हैयालाल के हत्यारों को अब तक सजा क्यों नहीं?

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के जयपुर दौरे को लेकर उन पर तीखा हमला बोला है। अपने निवास पर मीडिया से बात करते हुए गहलोत ने उदयपुर के कन्हैयालाल हत्याकांड को लेकर अमित शाह से जवाब मांगा। उन्होंने पूछा कि जिस घटना का दुष्प्रचार करके भाजपा राजस्थान की सत्ता में आई, उस घटना के हत्यारों को अब तक सजा क्यों नहीं मिली। गहलोत ने कहा कि कन्हैयालाल की हत्या एक बेहद मार्मिक घटना थी, जिसने पूरे देश को हिला दिया था। उनकी सरकार ने चार घंटे के भीतर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। इसके बावजूद, नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने उसी रात केस अपने हाथ में ले लिया, जिस पर उनकी सरकार ने कोई आपत्ति नहीं जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि तीन साल बीत जाने के बाद भी एनआईए कोर्ट में जज नहीं बैठते, जिससे सुनवाई आगे नहीं बढ़ पा रही है। गहलोत ने सवाल उठाया, परिवार और प्रदेशवासी न्याय मांग रहे हैं, उन्हें न्याय कब मिलेगा?

पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा पर चुनाव में इस घटना को मुद्दा बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जानबूझकर यह झूठ फैलाया कि उनकी सरकार ने कन्हैयालाल के परिवार को ?5 लाख और एक मुस्लिम परिवार को ?50 लाख दिए हैं। गहलोत ने स्पष्ट किया कि कन्हैयालाल के परिवार को ?50 लाख का पैकेज दिया गया था, जो आजादी के बाद दिया गया सबसे बड़ा पैकेज था। उन्होंने कहा कि इस झूठ के कारण चुनाव में कांग्रेस को काफी नुकसान हुआ और प्रदेशवासी भाजपा को इसके लिए कभी माफ नहीं करेंगे।

गहलोत ने अमित शाह से पूछा कि अगर यह केस राजस्थान सरकार, एसओजी या एटीएस के पास होता, तो अब तक आरोपियों को सजा मिल चुकी होती। उन्होंने बताया कि घटना के बाद उनकी सरकार ने तुरंत कार्रवाई की, जिससे उदयपुर में कोई सांप्रदायिक तनाव नहीं हुआ और पूरे देश में सरकार की तारीफ हुई। उन्होंने भाजपा नेताओं पर आरोप लगाया कि वे उस वक्त हैदराबाद में अपनी मीटिंग में व्यस्त थे और उन्हें उदयपुर की स्थिति की कोई चिंता नहीं थी।

गहलोत ने अमित शाह से आग्रह किया कि वह राजस्थान की जनता को बताएं कि कन्हैयालाल के परिवार को न्याय कब मिलेगा। उन्होंने कहा कि कई मामलों में छह महीने के भीतर ही फैसले हो जाते हैं, लेकिन इतने गंभीर केस में तीन साल बाद भी कुछ नहीं हुआ है, जो निराशाजनक है।

विधानसभा अध्यक्ष को कहना पड़ा- आप

डी.ए.पी. खाद की कमी को लेकर कांग्रेस विधायकों का जमकर हंगामा

लोग मेरे आग्रह की धज्जियां उड़ा रहे...

रायपुर (समय दर्शन)। विधानसभा के मानसून सत्र के चौथे दिन विपक्ष ने पूरे प्रदेश में डीएपी खाद की कमी होने का आरोप लगाते हुए सरकार को घेरा। चर्चा के दौरान विपक्ष एवं सत्ता पक्ष के बीच खूब आरोप-प्रत्यारोप का दौर चला। मामला ऐसा गरमाया कि सारे विपक्षी विधायक सरकार के खिलाफनारेबाजी करते गर्भ गृह में आ गए और परंपरानुसार स्वमेव निलंबित हो गए। विधानसभा अध्यक्ष ने निलंबित विपक्षी विधायकों को दो से तीन बार सदन से बाहर चले जाने कहा, लेकिन वे नहीं गए और गर्भ गृह में ही धरना देते हुए नारेबाजी करने लगे। कड़ी नाराजगी जताते हुए विधानसभा अध्यक्ष को कहना पड़ा कि आप लोग असंसदीय व्यवहार करते हुए 25 साल पुरानी परंपरा को ध्वस्त करने में लगे हुए हैं। मेरे दो बार, तीन बार के आग्रह की आप लोग धज्जियां उड़ाते रहे। इसके साथ ही अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

प्रश्नकाल में कांग्रेस विधायक उमेश पटेल का सवाल था कि प्रदेश में डीएपी खाद की कितनी मांग (टारगेट) रहती है और कितनी आपूर्ति (सप्लाई) हुई है? क्या डीएपी खाद की कमी हुई है? यदि हाँ तो सरकार किसानों को डीएपी खाद किस कारण से उपलब्ध नहीं करा पा रही है? कृषि मंत्री रामविचार नेताम की ओर से जवाब आया कि खरीफ2025 में प्रदेश के लिए भारत सरकार द्वारा डीएपी 3 लाख 10 हजार मेट्रिक टन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। माह अप्रैल से जून 2025 तक 2 लाख 19 हजार 100 मेट्रिक टन का सप्लाई प्लान भारत सरकार के रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय व्दारा जारी किया गया गया है। इसके विरुद्ध 30 जून 2025 तक 1 लाख 8 हजार 155 मेट्रिक टन की आपूर्ति हुई है। पूर्व मौसम (रबी 2024-25) का बचत स्कंध 40 हजार 746 मेट्रिक टन मिलाकर कुल 1 लाख 48 हजार 900 मेट्रिक टन का भंडारण हुआ है। वर्तमान खरीफ मौसम में 30 जून 2025 तक जारी सप्लाई प्लान के विरुद्ध कम आपूर्ति परिलक्षित हो रही है। इस प्ररिप्रेक्ष्य में कृषकों हेतु वैकल्पिक फॉस्फेटिक उर्वरकों का भंडारण कराया जा रहा है तथा इनके उपयोग हेतु कृषकों के मध्य प्रचार प्रसार किया जा रहा है।

उमेश पटेल ने कहा- 3 लाख 10 हजार मेट्रिक टन का लक्ष्य निर्धारित था, 1 लाख 48 हजार 900 मेट्रिक टन का भंडारण हुआ। इस तरह लक्ष्य के विपरीत आधे से भी कम भंडारण हो पाया। शेष की पूर्ति करने के लिए क्या प्लान है? कृषि मंत्री ने कहा- आपूर्ति हेतु विभागीय एवं मुख्यमंत्री स्तर पर सतत् भारत सरकार के संपर्क में हैं। डीएपी खाद की कमी की स्थित में दूसरा डीएपी नैनो विकल्प के रूप में आ गया है। 20 जुलाई तक 18 हजार मेट्रिक टन की आपूर्ति हो जानी है। कुल 14 रैक प्राप्त होगा। पटेल ने पूछा- आधे से भी कम खाद की बात सामने आई है।

शेष पृष्ठ 3 पर....

विधायक कॉलोनी में बने क्वींस क्लब पर 1 करोड़ 12 लाख की वसूली बाकी

राजधानी रायपुर के विधायक कॉलोनी में बने क्वींस क्लब के संचालन का जिम्मा जिस व्यक्ति को सौंपा गया था उससे 1 करोड़ 12 लाख वसूल किया जाना बाकी है। विधानसभा में आज कांग्रेस विधायक संदीप साहू व्दारा पूछे गए सवाल पर आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी का लिखित में यह जवाब आया। कांग्रेस विधायक संदीप साहू का लिखित में सवाल था कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल व्दारा राजधानी रायपुर के विधायक कॉलोनी में स्थित क्वींस क्लब को सर्वप्रथम संचालन हेतु किस संस्था को कब, किन शर्तों व अनुबंधों के आधार पर हस्तांतरित किया गया? शर्तों एवं अनुबंध के उल्लंघन में कब-कब, क्या-क्या अनियमितताएं पाई गईं? छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा कब-कब क्या कार्यवाही की गई? क्लब संचालक से कितनी राशि की वसूली शेष है, वसूली हेतु क्या कार्यवाही की गई है? वर्तमान में क्वींस क्लब के संचालन हेतु किस संस्था को कब, किन शर्तों व अनुबंधों के आधार पर कितने वर्षों के लिए सौंपा गया है? क्वींस क्लब में क्या-क्या सुविधाएं मिल रही हैं? क्या अनुबंधित नियमों एवं शर्तों का पालन हो रहा है? इसका निरीक्षण वर्ष 2023-24 से जून, 2025 तक कब-कब किस सक्षम प्राधिकारी द्वारा किया गया है? निरीक्षण में क्या-क्या कमियां पाई गईं तथा उन पर क्या कार्यवाही की गई? आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ. पी. चौधरी की तरफसे लिखित में जवाब आया कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल व्दारा विधायक कॉलोनी में स्थित क्वींस क्लब को सर्वप्रथम संचालन हेतु अनुबंध छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल एवं एमीनेंट इंफ्रास्ट्रक्चर प्रा.लि. व्दारा संचालक हरबंश सिंह बत्रा के मध्य 10 फरवरी 2009 को अनुबंध निष्पादित किया गया था। अनुबंध की शर्तों के उल्लंघन फलस्वरुप नियमानुसार सूचना जारी करते हुए 15 मार्च 2024 को अनुबंध निरस्त कर मण्डल ने 17 मार्च 2024 को क्लब का भौतिक आधिपत्य ले लिया गया है। क्लब वर्तमान में मण्डल के आधिपत्य में है। क्लब के पूर्व अनुबंधित संचालक एमीनेंट इंफ्रास्ट्रक्चर प्रा.लि. प्रो. हरबंश सिंह बत्रा से संपत्ति कर के विरूद्ध राशि रू. 46 लाख 72 हजार 843 रुपये लंबित है। लायसेंस फीस 34 लाख 75 हजार 337 रुपये तथा 6 अप्रैल 2024 तक की स्थित में विद्युत खपत की देयक राशि 31 लाख 18 हजार 400 रुपये है। इस प्रकार कुल राशि 1 करोड़ 12 लाख 66 हजार 580 रुपये वसूली योग्य है। इस हेतु कार्यालयीन पत्र 27 जुलाई 2024, 22 अगस्त 2024 एवं 22 अगस्त 2024 के माध्यम से जमा करने हेतु पत्र प्रेषित किया गया है। वर्तमान में क्वींस क्लब संचालन हेतु किसी भी संस्था को सौंपा नहीं गया है। इस समय क्वींस क्लब का संचालन छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल व्दारा किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

कृषक उन्नति योजनांतर्गत लाभ हेतु 31 अक्टूबर तक पंजीयन अनिवार्य

मुंगेली(समय दर्शन) शासन द्वारा कृषकों को पर्याप्त निवेश सहायता एवं लागत राहत देने के उद्देश्य से ''कृषक उन्नति योजना'' प्रारंभ की गई है। इस योजना का लाभ लेने के लिए किसानों को 'एकीकृत किसान पोर्टल' में 31 अक्टूबर तक पंजीयन, फसल सुधार, कैरी फारवर्ड आदि कार्य कराना अनिवार्य है। कृषि विभाग के उप संचालक ने बताया कि फसल विविधिकरण को बढ़ावा देने के लिए पंजीकृत कृषकों को खरीफ मौसम की प्रमुख फसलों जैसे दलहन, तिलहन, मक्का, कोदो, कुटकी, रागी, कपास आदि के लिए 10 हजार रूपए प्रति एकड़ की आदान सहायता राशि दी जाएगी। साथ ही, समर्थन मूल्य पर धान विक्रय करने वाले किसानों को अन्य खरीफ फसल हेतु एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीयन कराने पर 11 हजार रूपए की प्रति एकड़ की दर से सहायता राशि दी जाएगी। अधिक जानकारी एवं सहायता के लिए किसान अपने क्षेत्र के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी या सेवा सहकारी समिति से संपर्क कर सकते हैं।

जिले में उर्वरक विक्रय में अनियमितता पर तीन कृषि केन्द्रों का प्राधिकर पत्र 15 दिवस के लिए निलंबित

बेमेतरा (समय दर्शन/- संचालनालय कृषि छत्तीसगढ़ रायपुर के निर्देशानुसार उर्वरकों की कालाबाजारी, तस्करी, डायवर्सन, जमाखोरी, अधिक कीमत पर विक्रय, अमानक एवं नकली उर्वरकों के व्यापार को रोकने हेतु जिले में औचक निरीक्षण अभियान चलाया गया।जिला स्तरीय निरीक्षण टीम द्वारा 20 जून 08 जुलाई एवं 10 जुलाई 2025 को तीन कृषि केन्द्रों मेसर्स बी.के. कृषि केन्द्र, ग्राम-बैजी, मेसर्स अर्जुन कृषि केन्द्र, ग्राम-सिंघौरी, एवं मेसर्स वैदिक कृषि केन्द्र, ग्राम-बैजी, (विकासखण्ड-बेमेतरा, जिला-बेमेतरा) का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उर्वरक विक्रय में अनियमितताएं पाई गईं। इस पर संबंधित कृषि केन्द्रों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, किन्तु प्राप्त उत्तर संतोषजनक नहीं पाए गए। फलस्वरूप उर्वरक निरीक्षक सह सहायक संचालक कृषि, बेमेतरा द्वारा तीनों केन्द्रों के उर्वरक प्राधिकर पत्र को निलंबित करने की अनुशंसा की गई। अनुशंसा के आधार पर मोरध्वज डडसेना, प्राधिकृत अधिकारी सह उप संचालक कृषि, जिला-बेमेतरा ने उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 की धारा 31 (ए) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मे. बी.के. कृषि केन्द्र ग्राम बैजी, मे. अर्जुन कृषि केन्द्र ग्राम सिंघौरी, एवं मे. वैदिक कृषि केन्द्र ग्राम बैजी का उर्वरक प्राधिकर पत्र 15 दिवस के लिए निलंबित कर दिया है। निलंबन की अवधि में उक्त केन्द्र किसी भी प्रकार से उर्वरकों का भंडारण एवं विक्रय नहीं कर सकेंगे। यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

एयरटेल और पर्प्लेक्सिटी की साझेदारी: 36 करोड़ ग्राहकों को मिलेगा पर्प्लेक्सिटी प्रो का सालभर फ्री एक्सेस

नई दिल्ली: भारती एयरटेल ने पर्प्लेक्सिटी के साथ साझेदारी की है, जिसके तहत वह अपने सभी 36 करोड़ ग्राहकों को पर्प्लेक्सिटी प्रो का 12 महीने का सब्सक्रिप्शन बिल्कुल मुफ्त उपलब्ध कराएगा। पर्प्लेक्सिटी एक आधुनिक जनरेटिव एआई टूल है, जो पारंपरिक सर्च इंजन के मुकाबले कहीं ज्यादा तेज़, सटीक और गहराई से रिसर्च किए गए जवाब, यूज़र को संवाद शैली में उपलब्ध कराता है। यह केवल वेबसाइट लिंक्स दिखाने की बजाय ऐसा उत्तर देता है, जिसे सीधे पढ़ा और समझा जा सके और जिसे यूज़र अपनी ज़रूरत के अनुसार एआई से संवाद कर और बेहतर बना सकता है। पर्प्लेक्सिटी की एक फ्री सेवा भी मौजूद है, जिसमें बेसिक सर्च फीचर्स मिलते हैं। लेकिन पर्प्लेक्सिटी प्रो वर्जन खासतौर पर प्रोफेशनल्स और हेवी यूज़र्स के लिए बनाया गया है। इसमें रोजाना अधिक प्रो सर्च की सुविधा, एडवांस एआई मॉडल्स (जैसे जीपीटी-4.1, क्लॉड आदि) का एक्सेस, मॉडल चयन की सुविधा, डीप रिसर्च, इमेज जनरेशन, फाइल अपलोड व एनालिसिस, और पर्प्लेक्सिटी पर्प्लेक्सिटी लैब्स जैसे इनोवेटिव टूल्स मिलते हैं, जो किसी भी विचार को वास्तविकता में बदलने में मदद करते हैं। इस सब्सक्रिप्शन की वैश्विक कीमत रु17,000 सालाना है। अब यह रु17,000 की पर्प्लेक्सिटी प्रो सेवा एयरटेल के सभी मोबाइल, वाई-फाई और डीटीएच ग्राहकों को एक साल के लिए मुफ्त में दी जा रही है। भारत में किसी टेलीकॉम कंपनी और जनरेटिव एआई के बीच यह अपनी तरह की पहली साझेदारी है। ग्राहक एयरटेल थैंक्स एप के ज़रिए इस ऑफर का लाभ उठा सकते हैं। साझेदारी पर बोलते हुए भारती एयरटेल के वाइस चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर गोपाल विट्टल ने कहा, हम पर्प्लेक्सिटी के साथ इस गेम-चेंजर साझेदारी की घोषणा करते हुए बेहद उत्साहित हैं।

जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा 31 जुलाई तक

कलेक्टर ने परिवार कल्याण प्रचार-प्रसार रथ को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

मुंगेली(समय दर्शन)जनसंख्या वृद्धि को रोकने तथा परिवार नियोजन सेवाओं को गांव-गांव, घर-घर तक पहुंचाने के साथ ही लोगों में जागरुकता लाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग द्वारा 31 जुलाई तक जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा मनाया जा रहा है। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने आज जिला कलेक्टोरेट परिसर से जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा के सफलता के लिये प्रचार-प्रसार रथ को हरी झण्डी दिखाकर ग्रामीण क्षेत्रों के लिए रवाना किया। कलेक्टर ने कहा कि बच्चों के समुचित रूप से पालन-पोषण एवं महिलाओं के स्वास्थ्य के समुचित विकास के लिए परिवार नियोजन आवश्यक है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जनसंख्या नियंत्रण के लिए परिवार नियोजन अपनाने लोगों को जागरूक करने के लिए पखवाड़ा मनाया जा रहा है, जिससे लोगों में निश्चित रूप से जागरूकता आएगी। परिवार नियोजन केवल स्वास्थ्य कार्यक्रम नहीं, यह जनसंख्या नियंत्रण, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक स्थिरता का आधार है। इस दौरान अतिरिक्त कलेक्टर श्रीमती निष्ठा पाण्डेय तिवारी, अपर कलेक्टर जी. एल. यादव, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के जिला कार्यक्रम प्रबंधक गिरीश कुर्रे सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ शीला साहा ने बताया कि जनसंख्या स्थिरीकरण के लिए प्रचार-प्रसार रथ विकासखण्ड स्तर पर विभिन्न ग्रामों में पहुँचेगी, जहां लोगों को परिवार नियोजन से संबंधित परामर्श दिया जाएगा। इस दौरान सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में परिवार नियोजन के अस्थाई साधनों की सुविधाएं प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि जिला चिकित्सालय, 50 बिस्तर मातृ एवं शिशु अस्पताल लोरमी और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पथरिया में नसबंदी की सुविधा उपलब्ध है। पुरूष नसबंदी कराने पर 03 हजार रूपए एवं महिला नसबंदी कराने पर 02 हजार रूपए तथा प्रसव पश्चात नसबंदी कराने पर 03 हजार रूपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। इस संबंध में अधिक जानकारी और स्वास्थ्यगत समस्या के निराकरण के लिए टोल फ्री नंबर 104 पर कॉल किया जा सकता है।

स्कूलों में किताबों और कक्षाओं की कमी, शमसूल आलम ने किया निरीक्षण

राजनांदगांव (समय दर्शन)। अजीत जोगी युवा मोर्चा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष शमसूल आलम ने सोमवार को शहर के शासकीय स्कूलों का निरीक्षण कर छात्रों की समस्याएं जानी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कुआं चौक स्थित शासकीय मिडिल स्कूल और सुंदरा हायर सेकेंडरी स्कूल का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान मिडिल स्कूल के प्रधानपाठक से जानकारी मिलने पर शमसूल आलम ने बताया कि कक्षा 6वीं के विद्यार्थियों को चार विषयों की किताबें अब तक उपलब्ध नहीं हो सकी हैं, वहीं कक्षा 7वीं के छात्रों को भी कुछ किताबों की कमी से जूझना पड़ रहा है। अध्यापकों ने बताया कि कुछ विषयों की किताबों में बदलाव के चलते वितरण में देरी हो रही है, लेकिन पढ़ाई पुराने सिलेबस से निरंतर कराई जा रही है।

इसके बाद शमसूल आलम ने सुंदरा हायर सेकेंडरी स्कूल का निरीक्षण कर प्राचार्य और विद्यार्थियों से चर्चा की। इस दौरान छात्रों ने बताया कि स्कूल में कक्षाओं की भारी कमी है और एक ही प्रयोगशाला में सभी विषयों के प्रायोगिक कार्य कराए जाते हैं। छात्रों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए आलम ने इसे भाजपा सरकार और शिक्षा विभाग की विफलता करार दिया।

उन्होंने कहा कि शासन-प्रशासन बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहा है। शाला भवन और संसाधनों की कमी बच्चों की शिक्षा में बड़ी बाधा बन रही है। शमसूल आलम ने कहा कि अजीत जोगी युवा मोर्चा इन समस्याओं को शासन-प्रशासन के समक्ष उठाएगा और आवश्यक सुविधाएं जल्द उपलब्ध कराने के लिए संघर्ष करेगा। उन्होंने छात्रों से संवाद कर उन्हें आश्वस्त किया कि वे उनकी आवाज बनकर आगे लड़ाई लड़ेंगे।

निरीक्षण के दौरान शमसूल आलम के साथ शहर जिलाध्यक्ष बिलाल सोलिन खान, जिला महासचिव ऋषभ रामटेके, नमन पटेल समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

स्कूल मे वित्तीय साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम

मुंगेली (समय दर्शन)पथरिया भारतीय रिजर्व बैंक के सहयोग से संचालित वित्तीय साक्षरता परियोजना कार्यक्रम समर्पित संस्था के माध्यम से संचालक संदीप शर्मा, प्रोजेक्ट डायरेक्टर श्री हितेश मिश्रा के निर्देशानुसार संचालित किया जा रहा है जिसके अंतर्गत गांव-गांव जाकर लोगों को बैंकिंग के बारे में जानकारी दिया जाता है इसी संदर्भ में पथरिया ब्लॉक के ग्राम पंचायत पड़ियाईन में शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल के बच्चो को बैंकिंग के बारे में जानकारी दिया गया। जिसके अंतर्गत बैंकिंग, बजट, बचत, पंजीकृत संस्थान में निवेश, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना ,प्रधानमंत्री जीवन सुरक्षा बीमा योजना, (क्लेम फॉर्म 30 दिन के भीतर ही भर कर जमा करना अनिवार्य), अटल पेंशन , सुकन्या समृद्धि योजना, पीपीएफ,मोबाइल कॉल के द्वारा होने वाले फ्रॉड से बचाव के लिए ओटीपी किसी को ना बताने के बारे में कहा गया क्योंकि कोई भी बैंक निजी बैंक विवरण की जानकारी फोन कॉल के माध्यम से नहीं मांगता, प्रलोभनो, डिजिटल अरेस्ट से बचने के लिए पुलिस साइबर सेल हेल्पलाइन नंबर 1930 और रिजर्व बैंक के 14448 के बारे में जानकारी दिया गया । इस कार्यक्रम में अमित यादव द्वारा उपस्थित बच्चो को विशेष रूप से प्रोजेक्टर के माध्यम से जानकारी दिया गया । तथा उनके समस्याओं को भी पूछा गया व पूर्ण रूप से सहायता का आश्वासन दिया गया। श्रम विभाग की योजना नोनी सशक्तिकरण योजना, नैनिहाल छात्रवृति योजना से बच्चों को अवगत कराया गया।

उक्त कार्यक्रम में समर्पित संस्था से ऑफिस इंचार्ज धनंजय गर्ग, पथरिया ब्लॉक काउंसलर अमित यादव एवं शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल पड़ियाईन से प्राचार्य के.एन.वर्मा, रमेश राजपूत, पी.के.मीरे, समीर लाडेस्वर स्कूल के समस्त टीचर व बच्चे विशेष रूप से उपस्थित रहे।

व्यापम द्वारा आबकारी आरक्षक भर्ती परीक्षा 27 जुलाई को

जिले के 04 हजार 300 से अधिक परीक्षार्थी होंगे शामिल

केन्द्र में प्रवेश के पूर्व हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर से होगी जांच

मुंगेली(समय दर्शन) छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) रायपुर द्वारा आबकारी आरक्षक के पदों पर भर्ती के लिए प्रवेश परीक्षा 27 जुलाई को प्रात: 10 से दोपहर 12.15 बजे तक आयोजित किया जाएगा। परीक्षा में जिले के 04 हजार 343 परीक्षार्थी शामिल होंगे। कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार ने परीक्षा के सफल आयोजन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। व्यापम द्वारा आगामी परीक्षाओं के निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सफलतापूर्ण आयोजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किया गया है। जारी निर्देश के अनुसार परीक्षा केन्द्र में प्रवेश के पूर्व सभी परीक्षार्थियों की हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर से जांच की जाएगी। परीक्षार्थियों को परीक्षा प्रारंभ होने से कम से कम 02 घंटे पूर्व परीक्षा केंद्र में पहुंचना आवश्यक होगा, ताकि शारीरिक जांच और प्रवेश पत्र सत्यापन की प्रक्रिया समय पर पूरी हो सके। परीक्षा प्रारंभ होने के 30 मिनट पूर्व परीक्षा केंद्र का मुख्य द्वार बंद कर दिया जाएगा। परीक्षार्थियों को हल्के रंग के आधे बाँह के कपड़े तथा चप्पल पहनकर परीक्षा में उपस्थित होना अनिवार्य है। कान में किसी भी प्रकार का आभूषण, घड़ी, पर्स, मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, स्कार्फ, बेल्ट, टोपी आदि साथ लाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। परीक्षा प्रारंभ होने के आधा घंटा पूर्व एवं अंतिम आधे घंटे में कक्ष से बाहर जाना वर्जित रहेगा। परीक्षा केन्द्र में प्रवेश पत्र, मूल पहचान पत्र जैसे आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र सहित अन्य कोई भी एक फोटोयुक्त पहचान पत्र लेकर आना अनिवार्य है।

क्लिनिकल विशेषज्ञों ने स्कूल जाने की उम्र में बूस्टर डोज़ की महत्ता को बताया

रायपुर। भारत में बचपन के टीकाकरण में प्रगति के साथ, विशेषज्ञ अभिभावकों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं से आग्रह कर रहे हैं कि वे बच्चों के टीकाकरण कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण चरण — डिप्थीरिया, टेटनस, पर्टुसिस और पोलियो के बूस्टर डोज़ को नज़रअंदाज़ न करें, जो स्कूल प्रवेश की उम्र पर दिया जाना चाहिए। हालांकि शिशु अवस्था में प्रारंभिक टीकाकरण प्रारंभिक सुरक्षा प्रदान करता है, वैज्ञानिक साक्ष्य बताते हैं कि डिप्थीरिया, टेटनस, पर्टुसिस और पोलियो के प्रति प्रतिरक्षा समय के साथ कम हो जाती है। यदि बच्चों को समय पर बूस्टर नहीं दिए जाते, तो वे गंभीर बीमारियों के जोखिम में आ सकते हैं, विशेष रूप से जब वे स्कूल जाना शुरू करते हैं और अधिक लोगों के संपर्क में आते हैं। डॉ. जगदीश मेघाणी, कंसल्टेंट पीडियाट्रिशन, चाइल्ड क्लिनिक, रायपुर, कहते हैं, स्कूल में प्रवेश करते समय बच्चे एक नए वातावरण में कदम रखते हैं, जहाँ विकास के साथ-साथ रोगों के संपर्क की संभावना भी बढ़ती है। यह वह समय होता है जब उनकी प्रतिरक्षा प्रणाली को समय पर एक नई ऊर्जा की आवश्यकता होती है। इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स सिफारिश करता है कि डीपीटी और पोलियो जैसे टीकों के बूस्टर 4 से 6 वर्ष की उम्र के बीच दिए जाएं ताकि बच्चों को स्कूल के साझा वातावरण में प्रवेश से पहले पूरी सुरक्षा मिल सके। राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम (एनआईपी) 6, 10 और 14 सप्ताह की उम्र में डीटीपी वैक्सीन की सिफारिश करता है, इसके बाद 16ङ्क24 महीनों में एक बूस्टर, और पोलियो के लिए 6 और 14 सप्ताह की उम्र में 2 अंशात्मक खुराक। लेकिन जब बच्चा 4ङ्क6 वर्ष की उम्र तक पहुँचता है, तब तक सुरक्षा प्रदान करने वाली एंटीबॉडी का स्तर घटने लगता है।

कलेक्टर विनय लंगेह ने पिथौरा विकासखण्ड के ग्रामों का किया निरीक्षण स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क, योजनाओं की समीक्षा

अधिकारियों को दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

महासमुंद व्यूरो (समय दर्शन)। कलेक्टर विनय लंगेह एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एस. आलोक द्वारा पिथौरा विकासखण्ड के ग्राम भुरकोनी एवं बुन्देली का निरीक्षण किया गया। इस दौरान स्वास्थ्य, शिक्षा, प्रधानमंत्री आवास योजना, अधोसंरचना विकास, जल जीवन मिशन, पोषण, सड़क एवं खाद-बीज आपूर्ति सहित अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की गई एवं आवश्यक निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

ग्राम भुरकोनी के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान आर.एम.ए. स्टाफ की उपस्थिति पंजिका में हस्ताक्षर नहीं होने की स्थिति पाई गई, जिस पर कलेक्टर ने संबंधित स्टाफ के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र से अटैचमेंट को समाप्त कर तत्काल भुरकोनी में सेवा देने के निर्देश दिए।

स्वीपर श्री टेकराम साहू के बिना सूचना लंबे समय तक अनुपस्थित रहने पर उनका वेतन रोकने के निर्देश दिए गए।दवाओं एवं पेयजल की व्यवस्था संतोषजनक पाई गई, वहीं आयसोलेशन वार्ड के 4 वर्षों से प्रारंभ न होने पर उसे शीघ्र शुरू कराने के निर्देश भी दिए गए।

ग्रामीणों द्वारा एम्बुलेंस की मांग पर सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया गया। साथ ही, ओपीडी पंजीयन की प्रक्रिया तत्काल ऑनलाइन प्रारंभ करने, रात्रिकालीन ड्यूटी हेतु मेडिकल स्टाफ का रोस्टर बनाने, और हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं के चिन्हांकन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए।

ग्राम पंचायत बुन्देली में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्माण कार्यों का अवलोकन किया गया। अभी भी कई आवास निर्माण प्रारंभ नहीं हुए हैं, जिस पर कलेक्टर ने नाराजगी जताते हुए 5 दिवस में कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

जल जीवन मिशन के तहत पाइपलाइन बिछाने के बाद सीसी रोड को नहीं भरने की शिकायत पर संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध कार्यवाही के निर्देश दिए गए।

भुरकोनी से बुन्देली (5 किमी), भुरकोनी से मोहंदा (7 किमी, जिसमें 1.5 किमी वन क्षेत्र) एवं बुन्देली से ठाकुरदियाखुर्द (10 किमी) मार्ग की खराब स्थिति पर कलेक्टर ने लोक निर्माण विभाग एवं वन विभाग को तत्काल प्राक्कलन तैयार कर मरम्मत/निर्माण कार्य करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने प्राथमिक विद्यालय बुन्देली का निरीक्षण किया, जो मरम्मत योग्य पाया गया। ग्रामीणों द्वारा जानकारी दी गई कि मरम्मत कार्य हेतु राशि आहरित की जा चुकी है, परंतु कार्य प्रारंभ नहीं हुआ। इस पर जांच कर 3 दिवस में प्रतिवेदन प्रस्तुत करने और आवश्यकतानुसार वसूली कर आरसीसी प्रकरण बनाने के निर्देश दिए गए। आंगनबाड़ी भवन में छत से पानी टपकने की शिकायत पर भवन की मरम्मत 15वें वित्त आयोग एवं पंचायत मद से कराने के निर्देश दिए गए।

ग्रामीणों ने डीएपी खाद की कमी बताई, जिस पर कलेक्टर ने सहकारी समिति बुन्देली में पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराने के निर्देश उपसंचालक कृषि को दिए।

कृषि विस्तार अधिकारी की नियमित अनुपस्थिति की शिकायत पर कलेक्टर ने सख्त कार्यवाही करने को कहा।

गांव में अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री की शिकायत पर पुलिस एवं आबकारी विभाग को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए।इसके अलावा कलेक्टर ने गजगिजनी एवं नया तालाब जलाशय की प्रशासकीय स्वीकृति हेतु संबंधित विभाग को पहल करने के निर्देश दिए ।

कन्या शाला भवन के पास बनाए गए निजी मकान से जल निकासी बाधित होने पर अतिक्रमण हटाने हेतु ग्राम पंचायत को प्रस्ताव पारित कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

स्कूल के बगल में बने अवैध निर्माण पर नोटिस जारी कर, तहसीलदार को आगे की कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

राज्यपाल ने ली शासकीय विश्वविद्यालयों की समीक्षा बैठक

शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाने विवि-कॉलेजों में रिक्त पदों पर जल्द भर्ती करें: रमेन डेका

रायपुर (समय दर्शन)। राज्यपाल और विश्वविद्यालय के कुलाधिपति रमेन डेका ने बुधवार को प्रदेश के सभी शासकीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक लेकर विश्वविद्यालयों के कामकाज की समीक्षा की। उन्होंने विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शैक्षणिक गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए रिक्त पदों पर भर्ती की कार्रवाही को प्राथमिकता से करने कहा। उन्होंने सभी कुलपतियों से कहा है कि वे डीन स्टूडेंट वेलफेयर को सक्रिय करें और विद्यार्थियों की शिकायतों पर त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए समय पर निराकरण सुनिश्चित करें। राज्यपाल ने सोशल मीडिया के इस दौर में छात्रों के तनाव प्रबंधन पर भी विशेष बल दिया है। राजभवन के कांफ्रेंस हॉल में आज आयोजित बैठक में राज्यपाल डेका ने विभिन्न बिंदुओं पर समीक्षा की। डेका ने कहा कि विश्वविद्यालयों की शिक्षा व्यवस्था में सुधार लाना सबसे बड़ी प्राथमिकता है। विश्वविद्यालयों में स्थाई रजिट्रार नियुक्त हो। आवश्यकतानुसार पाठ्यक्रमों की संख्या

बढ़ाए जिससे विद्यार्थियों की संख्या भी बढ़ेगी। बैठक में राज्यपाल ने कहा कि जब रिक्त पदों पर समय पर भर्ती होगी और प्रमोशन होंगे तब ही छत्तीसगढ़ के प्रोफेसर को कुलपति बनने का अवसर मिल सकेगा। बैठक में उन्होंने सभी विश्वविद्यालयों से रिक्त पदों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि लंबे समय से टीचिंग स्टाफकी भर्ती नहीं होने से शैक्षणिक गुणवत्ता पर असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि सभी विश्वविद्यालय नेक ग्रेडिंग प्राप्त करें और गुणवत्ता में सुधार लाए। राज्यपाल ने प्रतिनियुक्ति पर भेजे गए सभी टीचिंग स्टाफको वापस बुलाने के निर्देश दिए है। डेका ने कृषि विश्वविद्यालय को निर्देश दिए कि किसानों को पारंपरिक फसल के स्थान पर लाभप्रद फसल के लिए प्रोत्साहित करें। टमाटर के विपणन पर विशेष ध्यान देने कहा ताकि उन्हें खराब होने से बचाया जा सके। खाद्य उत्पादन और आपूर्ति में संतुलन होना चाहिए। उद्यानिकी विश्वविद्यालय को स्व सहायता समूहों के साथ मिलकर कार्य करने कहा गया। राज्यपाल ने कुलपतियों से कहा कि वर्ष में एक बार एलुमिनाई मीट (पूर्व छात्रों का सम्मेलन) करें। कुलपतियों से कहा गया है कि वे कॉलेजों का आकस्मिक निरीक्षण करें और साल में दो बार प्राचार्यों के साथ बैठक करें। विश्वविद्यालयों को रिसर्च एवं डेवलपमेंट पर विशेष ध्यान देने को कहा गया है। राज्यपाल ने नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की जानकारी लेते हुए कहा कि कुलपति अपने कॉलेजों के प्राचार्यो को इसकी संपूर्ण जानकारी दें। नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए सभी कुलपति आपस में बैठक कर अपने सुझाव और अनुभव साझा करें। उन्होंने विश्वविद्यालयों, विशेष कर व्यवसायिक और तकनीकी विश्वविद्यालयों में नवाचार को बढ़ावा देने और युवाओं को स्टार्टअप के लिए प्रोत्साहित करने पर बल दिया। बैठक के प्रारंभ में राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना ने समीक्षा बैठक के मुख्य बिन्दुओं की जानकारी दी। विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने बारी-बारी से प्रेजेंटेशन दिया। बैठक में उच्च शिक्षा विभाग के आयुक्त संतोष देवांगन, राजभवन की उप सचिव श्रीमती हिना अनिमेष नेताम सहित सभी शासकीय विश्वविद्यालयों के कुलपति उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए आवेदन 31 जुलाई तक

रायपुर (समय दर्शन)। केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2025 के प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार (PMRBP) के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी है। छत्तीसगढ़ शासन ने राज्यभर के नागरिकों, संस्थाओं, अभिभावकों और शिक्षकों से अपील की है कि वे अपने क्षेत्र के 5 से 18 वर्ष की आयु वाले उन बच्चों को इस सम्मान के लिए 31 जुलाई तक आवेदन कराएं, जिन्होंने बहादुरी, सामाजिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण, खेल, कला-संस्कृति और विज्ञान-प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में असाधारण प्रदर्शन किया है। महिला-बाल विकास मंत्रालय ने जानकारी दी कि नामांकन http-sÑ//awards.gov.in पोर्टल के माध्यम से केवल ऑनलाइन स्वीकार किए जाएंगे। पात्र बच्चों के लिए नामांकन की आयु सीमा 5 से 18 वर्ष तय की गई है। कोई भी व्यक्ति या संस्था ऐसे प्रतिभाशाली बच्चों को नामांकित कर सकती है। इच्छुक बच्चे स्वयं भी आवेदन कर सकते हैं। नामांकन के लिए पंजीकरण के दौरान आवेदकों को अपना नाम, जन्मतिथि, मोबाइल नंबर, ईमेल, आधार संख्या सहित अन्य जानकारी देनी होगी। इसके बाद प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2025 श्रेणी का चयन कर आवेदन भरना होगा। आवेदन पत्र में उपलब्धियों का 500 शब्दों का संक्षिप्त विवरण, आवश्यक दस्तावेज (पीडीएफ, अधिकतम 10 फाइलें) और हालिया फोटो (जेपीजी/पीएनजी) अपलोड करना अनिवार्य है। आवेदन ड्राफ्ट के रूप में सेव कर अंतिम तिथि से पहले संपादित कर जमा किया जा सकता है। अधिक जानकारी व आवेदन हेतु http-sÑ//awards.gov.in पर विजिट करें। सरकार का उद्देश्य इन पुरस्कारों के माध्यम से देशभर के युवाओं की प्रेरणादायक उपलब्धियों को पहचान देना और बच्चों के समग्र विकास के लिए सकारात्मक वातावरण तैयार करना है।

रायपुर : कई जगहों के खसरों में रजिस्ट्री पर रोक

रायपुर (समय दर्शन)। नगरीय प्रशासन मंत्री एवं उपमुख्यमंत्री अरूण साव ने मंगलवार को विधानसभा के एक सवाल के लिखित जवाब में बताया कि राजधानी के 15 स्थानों पर अवैध प्लाटिंग की शिकायत मिली थी, सभी 15 स्थानों के खसरों में रजिस्ट्री पर रोक लगाने जिला पंजीयक को पत्र भेजा गया है, इसके अलावा 14 स्थानों पर एफआईआर दर्ज करने विभिन्न थानों को पत्र भेजा गया है, इसमें तीन प्रकरणों में एफआईआर दर्ज कर ली गई है. रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजेश मूणत ने प्रदेश में अवैध प्लाटिंग को लेकर सवाल लगाया. उन्होंने रायपुर नगर निगम क्षेत्र के हीरापुर, अटारी, सरदार वल्लभभाई पटेल वार्ड के गोकुल नगर, रामकृष्ण परमहंस वार्ड, एपीजे अब्दुल कलाम वार्ड में हुए अवैध प्लाटिंग पर कार्रवाई को लेकर सवाल उठाया. जिसके जवाब में मंत्री श्री साव ने बताया कि रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र के वीर सावरकर वार्ड क्रमांक 01 के हीरापुर, अटारी व सरदार वल्लभभाई पटेल वार्ड के गोकुल नगर क्षेत्र में कुल 15 स्थानों पर अवैध प्लाटिंग पर कार्यवाही कर 15 स्थानों के खसरों में रजिस्ट्री पर रोक के लिए जिला पंजीयक रायपुर को पत्र भेजा गया है।

विधानसभा में चौधरी का जवाब- हाउसिंग बोर्ड के बिकने के लिए बाकी मकान जर्जर नहीं, सुधार की आवश्यकता नहीं...

रायपुर (समय दर्शन)। विधानसभा में आज भाजपा विधायक अजय चंद्राकर व्दारा पूछे गए सवाल के जवाब में आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के बिक्री हेतु शेष भवन जर्जर नहीं हैं, अत: जीर्णोद्धार की आवश्यकता नहीं है। प्रश्नकाल में भाजपा विधायक अजय चंद्राकर का सवाल था कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल अंतर्गत 15 जून 2025 की स्थिति में किन-किन योजनाओं के माध्यम से कितने मकान बनाये गए? उनमें से कितने मकानों की बिक्री हुई है और कितने मकान शेष हैं और कब से बिक्री नहीं हुई? ऐसे कितने मकान हैं, जिनका निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है और बिक्री नहीं होने की वजह से जर्जर होने की स्थिति में हैं और उनके जीर्णोद्धार में कितनी लागत आयेगी? क्या उक्त खाली मकानों की बिक्री ना होने के संबंध में विभाग व्दारा विश्लेषण किया गया है? यदि हां तो किन-किन कारणों से बिक्री नहीं हो रही है? उसके लिये क्या कार्य योजना अब तक बनाई गई है? आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी की तरफसे जवाब आया कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल अंतर्गत 15 जून 2025 की स्थिति में प्रदेश के विभिन्न स्थानों में दीनदयाल आवास योजना, अटल आवास योजना, अटल विहार योजना, सामान्य आवास योजना के अंतर्गत कुल 80 हजार 870 मकान बनाये गये हैं। उनमें से कुल 78 हजार 503 मकानों की बिक्री हुई है। कुल 2 हजार 367 मकान शेष हैं। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के बिक्री हेतु शेष भवन जर्जर नहीं हैं, अत: जीर्णोद्धार की आवश्यकता नहीं है। मकानों को जहां है जैसा है में एकमुश्त निपटान अंतर्गत छूट के साथ बिक्री की जा रही है। विभाग व्दारा उक्त खाली मकानों की बिक्री ना होने के संबंध में विश्लेषण किया गया है। मकानों के बिक्री नहीं होने का मुख्य कारण विशेषत: भवन के मांग में कमी, कोविड-19 में कोरोना महामारी, आबंटियों व्दारा भवन का पंजीयन पश्चात् पुन: निरस्त करना, फ्लैट/बहुमंजिला भवनों हेतु जनता का कम रुझान इत्यादि हैं। मकानों के बिक्री के लिये 19 जनवरी 2025 को छत्तीसगढ़ शासन के मंत्रि परिषद की हुई बैठक में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल के व्दारा निर्मित 5 वर्ष से अधिक समय से नहीं बिके हुए चिन्हांकित आवासीय/व्यवसायिक संपत्तियों को एकमुश्त निपटान हेतु वन टाईम सेटलमेंट लागत मूल्य (बेस रेट) में क्रमश: 10, 20 एवं 30 प्रतिशत की छूट के आधार पर निर्धारित शर्तों के साथ विक्रय की स्वीकृति प्रदान की गई है। उक्त कार्य योजना के तहत् छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल व्दारा 1 जुलाई 2025 तक कुल 920 संपत्ति 13 करोड़ 9 लाख 47 हजार की बिक्री की गई है।

चंद्राकर ने पूछा कि आपने जर्जर मकानों के लिए छूट वाली योजना लाई, इससे हाउसिंग बोर्ड को कितने की क्षति हुई? चौधरी ने जवाब में कहा कि क्षति नहीं बल्कि अच्छा प्रतिसाद मिला। बड़ी रकम हाउसिंग बोर्ड के खाते में आई। अब तो नियम बना दिया गया है यदि कोई नई आवासीय योजना लाई जाती है तो 60 प्रतिशत बूकिंग के बाद ही निर्माण कार्य का टेंडर लगाया जाएगा।

सदन में भावना ने महिला उत्पीड़न व शिशु वैक्सीन भंडारण पर मांगा जवाब

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के तीसरे दिन पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने तीन महत्वपूर्ण विषयों पर सरकार से सवाल पूछकर न सिर्फस्थानीय मुद्दों को उठाया बल्कि महिला सुरक्षा और शिशु स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील विषयों को भी प्राथमिकता में रखा। भावना बोहरा ने डायल 112 आपातकालीन सेवा की टेंडर प्रक्रिया, पंडरिया विधानसभा में महिला उत्पीड़न के मामलों और नवजात शिशुओं के वैक्सीन भंडारण और निगरानी व्यवस्था को लेकर विस्तृत सवाल पूछे।

डायल 112: टेंडर प्रक्रियाधीन, 7 करोड़ किमी की सेवा यात्रा- डायल 112 सेवा पर बोहरा ने पूछा कि इसका टेंडर कब समाप्त हुआ, संचालन किसके माध्यम से हो रहा है और क्या प्रक्रिया चल रही है? उप मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि डायल 112 का टेंडर अभी समाप्त नहीं हुआ है, लेकिन नई टेंडर प्रक्रिया प्रगति पर है। अब तक 11 जिलों के लिए 252 ईआरव्ही वाहन खरीदे गए हैं। द्वितीय चरण में

राज्यभर में 396 वाहन क्रियान्वयन हेतु लिए गए हैं। जून 2025 तक डायल 112 वाहनों ने 7,11,55,231 किलोमीटर की दूरी तय की है।

पंडरिया में महिला अपराध के 336 मामले, पिंक थाना कबीरधाम में संचालित- महिला सुरक्षा के मुद्दे पर भावना बोहरा ने पंडरिया में जनवरी 2023 से जून 2025 के बीच दर्ज महिला अपराध के मामलों की जानकारी मांगी। गृह मंत्री विजय शर्मा ने बताया कि इस अवधि में कुल 336 मामले दर्ज हुए, जिनमें से 308 मामलों का निराकरण हो चुका है, जबकि 28 प्रकरणों पर जांच जारी है। पिंक थाने के संदर्भ में उन्होंने बताया कि कबीरधाम जिले के तहत एक महिला थाना पहले से संचालित है, जो पंडरिया क्षेत्र को भी कवर करता है।

शिशु वैक्सीन भंडारण पर कड़ी निगरानी, 3682 लीटर मासिक क्षमता- लोक स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बोहरा के प्रश्न का उत्तर देते हुए बताया कि कबीरधाम जिले में नवजात शिशुओं की वैक्सीन के लिए 3682 लीटर प्रतिमाह भंडारण क्षमता है। कोल्ड चेन पॉइंट्स पर आईस लाइन रेफ्रिजरेटर (ढ्ढरुक्र) के ज़रिए वैक्सीन 2एष्ट से 8एष्ट तापमान पर संरक्षित की जाती है। तापमान की दो बार निगरानी, लॉगबुक एंट्री और थर्मल लॉगर की व्यवस्था लागू है।

एबीवीपी ने उड़ीसा फकीर मोहन कॉलेज के विभागाध्यक्ष समीर साहू का फूंका पुतला

रायपुर (समय दर्शन)। उड़ीसा में बालेश्वर के फकीर मोहन महाविद्यालय के विभागाध्यक्ष समीर साहू द्वारा कॉलेज के छात्रा सौम्याश्री को लगातार यौवन उत्पीड़न व प्रताड़ित किया जा रहा था जिसके कारण मानसिक रुप से आहत होकर सौम्याश्री ने आत्मदाह कर लिया जिसके विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने फकीर मोहन कॉलेज के विभागाध्यक्ष समीर साहू का पुतला दहन किया अभाविप जिला संयोजक जीत प्रजापति ने बताया की उड़ीसा में बालेश्वर फकीर मोहन कॉलेज की छात्रा सौम्याश्री की आत्महत्या की खबर अत्यंत पीड़ादायक है यह घटना सिर्फ एक छात्रा की आत्महत्या नहीं बल्कि महाविद्यालय व उड़ीसा के प्रशासनिक असंवेदनशीलता और व्यवस्था की असफलता का प्रत्यक्ष प्रमाण है जिसने एक बेटी को न्याय दिलाने के बजाय उसे मौत की ओर धकेला है और साथ ही साथ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद राजनंदगांव ने केंद्र सरकार से मांग किया की देश के प्रत्येक कॉलेज में icc (internal complaints commitee) यानी आंतरिक

शिकायत समिति का गठन किया जाए द्य अभाविप सविष्कार प्रांत सह संयोजक सुश्री चांदना श्रीवास्तव ने कहा,जब कॉलेज के छात्रा सौम्याश्री द्वारा विभागाध्यक्ष समीर साहू के खिलाफयौन शोषण की गंभीर शिकायत किया गया, तब प्रशासन के द्वारा इस पर कोई कठोर कार्यवाही नहीं किया गया गया द्य प्रशासन की ओर से कोई कार्रवाई न होने पर मानसिक रूप से आहत होकर उसने आत्महत्या जैसा कठोर कदम उठाया। अभाविप, सौम्याश्री के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती है और इस पूरे घटनाक्रम की कठोर निंदा करती है। साथ ही शासन,प्रशासन और पुलिस विभाग से मांग करते है कि आरोपी समीर साहू के खिलाफकठोर कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई और छात्रा इस तरह के अत्याचार का शिकार न हो। प्रदर्शन के दौरान नगर मंत्री अक्षत श्रीवास्तव प्रदेश कार्य समिति सदस्य धनंजय पांडे नगर सह निकता श्रीरंगें, भूपेंद्र पाल ,जीत शर्मा अंशराज भाटिया, यश साहू ,कुलदीप पाल, अभिनव बाजपेयी ,धन्नू टंडन ,विवेक कुमार ,नितिन सेन आदि कार्यकर्ता व छात्र उपस्थित थे ।

प्रथम पृष्ठ का शेष

डी.ए.पी. खाद की कमी को लेकर कांग्रेस विधायकों का जमकर हंगामा

कितने प्रतिशत सोसायटी के माध्यम से व कितने प्रतिशत व्यापारियों के माध्यम से खाद किसानों तक पहुंची? मंत्री ने कहा पुराने व बचत को मिलाकर जून महीने तक 46 लाख मिट्रिक टन की आपूर्ति कर देंगे। अब तक 60 प्रतिशत सोसायटियों तथा 40 प्रतिशत निजी क्षेत्रों के माध्यम से किसानों तक खाद पहुंची है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि मेरा आग्रह है डीएपी शत प्रतिशत किसानों को दें। निजी क्षेत्र में न दें। तभी व्यवस्था सुधरेगी। नेताम ने कहा आगे जितनी भी डीएपी आएगी सोसायटियों के माध्यम से किसानों को उपलब्ध कराएंगे। पटेल ने कहा कि शिकायतें प्राप्त हुई हैं कि व्यापारी डीएपी को 1800 से लेकर 2100 रुपये तक में बेच रहे हैं। मंत्री ने कहा कि प्रदेश भर से शिकायतें आती हैं। निजी क्षेत्र वाली परिपाटी हमने नहीं शुरु की। मंत्री के इस कथन पर विपक्षी विधायकगण विरोध जताते हुए शोर मचाने लगे।

पटेल ने कहा कि निजी क्षेत्र से मनमानी कीमत पर बिकने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं होती। ऐसा चल रहा है आपका शासन। जहां तक पूरा सदन मेरी बात पर सहमत होगा कि हर जगह डीएपी की कमी है। पटेल की बात का समर्थन करते हुए उनकी पार्टी के विधायक शोर मचाने लगे। जवाब में सत्ता पक्ष की तरफसे भी शोर शराबा शुरु हो गया। विपक्षी विधायकों की ओर से सरकार के खिलाफनारेबाजी होने लगी।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा हमारे शासनकाल में राजनांदगांव में नकली यूरिया बिक रहा था तो धरपकड़ की थी। आपके शासनकाल में तो हर साल नकली यूरिया पकड़ा जाता रहा है। बघेल की इस बात के विरोध में सत्ता पक्ष की तरफसे शोर शराबा होने लगा। जवाब में विपक्षी विधायकों की ओर से फिर नारेबाजी शुरु हो गई। हंगामे के कारण विधानसभा अध्यक्ष को सदन की कार्यवाही 5 मिनट के लिए स्थगित करनी पड़ी।

सदन की कार्यवाही दोबारा शुरु होने पर विपक्ष की तरफसे हुए सवालों का जवाब देते हुए कृषि मंत्री ने कहा कि पूर्व में दिया गया आंकड़ा जून तक का था। 5 दिनों में 18 हजार 555 मेट्रिक टन और प्राप्त हो जाना है। रही बात डीएपी की कमी की तो यह केवल हमारे यहां ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में है। मंत्री के इस जवाब पर विपक्षी विधायकगण फिर शोर मचाने लगे। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि इस विषय पर चर्चा करते हुए 17-18 मिनट हो गए। मंत्री का जवाब आ गया। इसके बाद कुछ बचता नहीं। आगे का प्रश्न लिया जाए। अध्यक्ष व्दारा कार्यवाही आगे बढ़ाने पर सारे कांग्रेस विधायकगण नारेबाजी करते हुए गर्भ गृह में आ गए। भारी नारेबाजी के बीच में ही भाजपा विधायक राजेश अग्रवाल ने सवाल पर सवाल पूछे और कृषि मंत्री नेताम ने उनका जवाब दिया। अग्रवाल के सवाल पूरे हो जाने के बाद विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि सारे कांग्रेस विधायकगण गर्भ गृह में आकर स्वमेव निलंबित हो गए हैं। उनसे आग्रह है कि सदन से बाहर चले जाएं। अध्यक्ष के निर्देश के बाद भी विपक्षी सदस्यगण बाहर नहीं गए और गर्भ गृह में नारेबाजी करते रहे। मंत्री नेताम ने विपक्षी सदस्यों की तरफमुखातिब होते हुए कहा कि ये घड़ियाली आंसू कब तक बहाते रहोगे। पूरे प्रदेश की जनता देख रही है। इसके बाद सत्ता पक्ष की तरफसे भी नारेबाजी शुरु हो गई। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि निलंबन के बाद भी ये लोग यहां पर नारेबाजी कर रहे हैं, यह उचित नहीं। विधानसभा अध्यक्ष ने विपक्षी सदस्यों से फिर कहा कि आप लोग निलंबित हैं, सदन की कार्यवाही में सहयोग करें। फिर भी विपक्ष की ओर से नारेबाजी होती रही। नारेबाजी के बीच ही भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल व्दारा निर्मित आवासों पर सवाल किए, जिनका आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी ने जवाब दिया। जैसे ही चंद्राकर के सवालों का सिलसिला खत्म हुआ, कांग्रेस विधायकगण नारेबाजी करते हुए गर्भ गृह में ही धरने पर बैठ गए। विधानसभा अध्यक्ष ने कड़े शब्दों में कहा कि आप लोग असंसदीय व्यवहार करते हुए 25 साल पुरानी परंपरा को ध्वस्त करने में लगे हुए हैं। मेरे दो बार, तीन बार के आग्रह की आप लोग धज्जियां उड़ाते रहे। इसके साथ ही अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

विमोचन कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, प्रमुख सचिव पंचायत श्रीमती निहारिका बारीक, विशेष सचिव तारण प्रकाश सिन्हा सहित अनेक अधिकारी उपस्थित थे

सीएम ने किया 'मोर गांव मोर पानी' अभियान पर आधारित पुस्तिका का विमोचन

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री साय ने बुधवार को विधानसभा परिसर स्थित अपने कक्ष में 'मोर गांव मोर पानी' महाअभियान पर आधारित पुस्तिका का विमोचन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पंचायती राज दिवस के अवसर पर प्रारंभ किए गए इस विशेष अभियान ने जल संरक्षण और संवर्धन के क्षेत्र में अभूतपूर्व चेतना उत्पन्न की है। विमोचन कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, प्रमुख सचिव पंचायत श्रीमती निहारिका बारीक, विशेष सचिव तारण प्रकाश सिन्हा सहित अनेक अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि ग्राम पंचायतों की सक्रियता और जनता की स्वप्रेरित भागीदारी के चलते यह अभियान अब एक जनआंदोलन का रूप ले चुका है। लोग स्वेच्छा से जल संरक्षण जैसे पुनीत कार्यों से जुड़ रहे हैं, जो सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन का स्पष्ट संकेत है। उन्होंने कहा कि पुस्तिका में राज्य की विभिन्न पंचायतों द्वारा जल संरक्षण के क्षेत्र

में किए गए उल्लेखनीय कार्यों और नवाचारों को संकलित किया गया है, जो अन्य पंचायतों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अभियान के अंतर्गत सूचना, शिक्षा और संचार (ढ्ढश्वष्ट) गतिविधियों के माध्यम से जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया गया है। प्रदेश की 11,000 से अधिक ग्राम पंचायत भवनों की दीवारों पर भूजल स्तर अंकित किया गया है, जिससे लोगों में जल के महत्व को लेकर व्यावहारिक चेतना जागृत हुई है। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों की भूमिका जल संरक्षण को जन-भागीदारी से जोड़ने में महत्वपूर्ण रही है, और यह चेतना आने वाले समय में और भी व्यापक स्वरूप लेगी। उल्लेखनीय है कि 'मोर गांव मोर पानी' अभियान के तहत रैली, दीवार लेखन जैसे माध्यमों से व्यापक स्तर पर जनसामान्य को जल संरक्षण के प्रति संवेदनशील और जागरूक किया गया है। 626 क्लस्टर्स में आयोजित प्रशिक्षणों के माध्यम से 56,000 से अधिक प्रतिभागियों को जल प्रबंधन और संरक्षण के लिए तैयार किया गया है।

अभियान में त्नढ्ढस् तकनीक का उपयोग कर जल संरक्षण कार्यों की प्रभावी योजना बनाई जा रही है, जबकि जलदूत ऐप के माध्यम से खुले कुओं का जल स्तर मापा जा रहा है। इसके अतिरिक्त, परकोलेशन टैंक, अर्दन डैम, डिफंक्ट बोरवेल रिचार्ज स्ट्रक्चर जैसे संरचनात्मक उपायों के माध्यम से जल पुनर्भरण और संरक्षण के स्थायी प्रयास किए जा रहे हैं। ग्राम पंचायतों के यह प्रयास छत्तीसगढ़ को जल संरक्षण के राष्ट्रीय मॉडल के रूप में स्थापित करेंगे।

संपादकीय

निहाल की गिरफ्तारी राहतकारी

अमेरिकी अधिकारियों ने प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो के प्रत्यर्पण अनुरोधों के आधार पर भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी के छोटे भाई निहाल मोदी को गिरफ्तार कर लिया है। निहाल (46) पंजाब नेशनल बैंक से जुड़े कथित 13 हजार करोड़ रुपये के धोखाधड़ी मामले में आरोपी है। यह मामला अब तक के सबसे बड़े धोखाधड़ी मामलों में से एक है। इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय जांच ब्यूरो-दोनों ने अलग-अलग आरोप पत्र दायर किए हैं, और दोनों में ही निहाल मोदी को आरोपी बनाया गया है। इस मामले में निहाल का भाई नीरव मोदी और उनका रिश्तेदार मेहुल चोकसी भी आरोपी हैं। नीरव लंदन की जेल में बंद है, और भारत में प्रत्यर्पण की कार्यवाही का सामना कर रहा है। मामले में दायर आरोप पत्र के मुताबिक, नीरव मोदी ने अपनी कंपनियों के जरिए फर्जी लेटर ऑफ अंडरटेकिंग-एमओयू-जारी करके पंजाब नेशनल बैंक से करीब 6,498 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की थी, जबकि शेष राशि उसके रिश्तेदार ने यही तरीका अपनाते हुए हड़प ली थी। बेल्जियम के एंटवर्प में जन्मे, पले-पढ़े तथा अंग्रेजी, गुजराती और हिन्दी में पारंगत निहाल मोदी अपने भाई नीरव मोदी की ओर से अपराध की आय को कथित रूप से वैध बनाने के लिए भारत में वांछित है। निहाल ने भारतीय वित्तीय कानूनों का उल्लंघन करते हुए फर्जी कंपनियों के जरिए बड़ी मात्रा में अवैध धन को छिपाने और स्थानांतरित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। अरसे से दोनों भारतीय एजेंसियां इन दोनों आरोपी भाइयों के साथ ही उनके रिश्तेदार मेहुल चोकसी को तलाश में थी। इसके लिए भारतीय अधिकारियों ने इंटरपोल ने 'रेड नोटिस' भी जारी कराया था ताकि आरोपियों को ढूंढने में अंतरराष्ट्रीय सहयोग प्राप्त किया जा सके। 'रेड नोटिस' इंटरपोल द्वारा जारी किए जाने वाला अंतरराष्ट्रीय अनुरोध है, जिसका उद्देश्य किसी व्यक्ति का पता लगा कर उसे गिरफ्तार करना है ताकि उसके खिलाफ प्रत्यर्पण, आत्मसमर्पण या अन्य कानूनी कार्यवाही की जा सके। नीरव की गिरफ्तारी भारतीय एजेंसियों के लिए राहत की बात है। उम्मीद है कि दोनों भाइयों को भारतीय एजेंसियां अदालत में पेश करउन्हें जल्द सजा दिला सकेंगी। सरकार के लिए भी यह गिरफ्तारी राहतकारी घटनाक्रम है क्योंकि इस मामले में विपक्ष जब-तब सरकार को घेरता रहा है।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भी भारत की कूटनीतिक जीत

गिरीश पांडे

एससीओ और क्वाड के बाद एक बार फिर 6-7 जुलाई 2025 को ब्राजील के रियो डि जिनेरियो में आयोजित दो दिवसीय 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम हुए आतंकवादी घटना की गूंज सुनाई दी। उल्लेखनीय है कि लगभग 15 दिनों के भीतर ये तीनों सम्मेलन आयोजित किए गए और भारत ने ऑपरेशन सिन्दूर के बाद पहली बार इन सम्मेलनों में भाग लिया था।

इस बार ब्रिक्स सम्मेलन ब्राजील की मेजबानी में हुआ, जिसमें पुराने 5 देशों (ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका) के अलावा नये सदस्य देशों मिस्र, इथियोपिया, ईरान, यूएई और इंडोनेशिया ने हिस्सा लिया। ब्राजील ने 1 जनवरी, 2025 को ब्रिक्स की अध्यक्षता संभाली थी। इस बार की थीम रही-'समावेशी और टिकाऊ वैंकि शासन के लिए ग्लोबल साउथ का सहयोग मजबूत करना' हालांकि, चीन के किंगदाओ शहर में आयोजित एससीओ के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने साझा बयान में पहलगाम की घटना का उल्लेख न होने की वजह से उस पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया था। इसलिए वह बयान जारी नहीं हो सका, लेकिन क्वाड के विदेश मंत्रियों की अमेरिका में आयोजित बैठक के बाद क्वाड के साझा बयान में पहलगाम साजिशकर्ताओं, हमलावरों और फंडिंग करने वालों को सजा दिलाने की मांग की गई और संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों से आह्वान किया गया है कि वे जिम्मेदार लोगों को न्याय के कठघरे में लाने के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत मिलकर काम करें। निश्चित तौर पर एससीओ, क्वाड तथा ब्रिक्स के शिखर सम्मेलन भारत के लिए जहां कूटनीतिक जीत है, वहीं पाकिस्तान और चीन के लिए एक झटका क्योंकि आतंकवाद के मुद्दे पर ये दोनों देश बेनकाब हुए हैं। ब्रिक्स देशों के नेताओं ने आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों से निपटने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए ब्रिक्स घोषणा-पत्र में 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है। यही नहीं, ब्रिक्स नेताओं ने आतंकवादियों की सीमापार आवाजाही, इसके वित्त-पोषण और सुरक्षित ठिकानों सहित सभी रूपों तथा अभिव्यक्तियों में आतंकवाद से निपटने के लिए भी अपनी वचनबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद को मानवता के समक्ष सर्वाधिक गंभीर चुनौती बताते हुए कहा कि आतंकवाद के शिकार लोगों और इसे शह देने वालों को एक स्तर पर नहीं रखा जा सकता। प्रधानमंत्री ने कहा कि आतंकवादियों पर प्रतिबंध लगाने में कोई हिचक नहीं होनी चाहिए। मोदी का यह कथन महत्त्वपूर्ण है कि पहलगाम घटना भारत की आत्मा, पहचान और सम्मान पर घातक हमला था, आगे उन्होंने यह भी कहा कि यह केवल भारत पर किया गया हमला नहीं था, बल्कि पूरे मानवता पर किया गया प्रहार था। आतंकवाद की बर्बरता पर जीरो टॉलरेंस की मांग करते हुए उन्होंने सूचित किया कि आतंकवादी संगठनों पर कड़ी पाबंदी लगाई जानी चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भारत हमेशा संवाद और राजनीतिक मार्ग द्वारा ही अंतरराष्ट्रीय मसलों के समाधान पर अमल करेगा, जिससे वैंकि शांति बनी रहे। इसके अलावा, मोदी ने ब्रिक्स साझेदार देशों के साथ 'बहुपक्षवाद, आर्थिक-वित्तीय मामलों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' पर आयोजित संपर्क सत्र में भाग लेते हुए अंतरराष्ट्रीय सहयोग, बहुध्रुवीय और समावेशी वि व्यवस्था के निर्माण पर बल दिया। जहां तक आतंकवाद का प्रश्न है, अभी तक चीन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अपने वीटो का प्रयोग पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों को बचाने के लिए ही किया है। अब जिस प्रकार से एससीओ, क्वाड तथा ब्रिक्स में आतंकवाद को समूल नाश करने की प्रतिबद्धता सदस्य देशों ने व्यक्त की है, देखने की बात होगी कि क्या चीन का भी इस मसले पर हृदय परिवर्तन होगा? दूसरी ओर ब्रिक्स से अमेरिकी राष्ट्रपति भी एक प्रकार से खौफ खाए हैं।

भारत की प्रगति पर ब्रेक के बाद उठती अमेरिकी खीझ के वैश्विक कूटनीतिक मायने को ऐसे समझिए

कमलेश पांडे

आपने 'रस्सी जल गई, ऐंठन नहीं टूटी' वाली कहावत सुनी होगी। यही हालात आज दुनिया के थानेदार अमेरिका की है। एक ओर रूस के दृढ़ निश्चय से यूक्रेन में नाटो देश यानी अमेरिका-यूरोप की खुराफात बुरी तरह से पिट चुकी है। वहीं, दूसरी ओर पाकिस्तान पर भारत के दमदार पलटवार और इजरायल पर ईरान के अप्रत्याशित पलटवार से अमेरिकी वैश्विक बादशाहत को करारा तमाचा लगा है। इन घटनाओं से साफ है कि अमेरिकी और यूरोपीय पश्चिमी देश अब अपराजेय नहीं रहे, बल्कि उनकी फूट डालो और शासन करो की नीति को एशियाई और अफ्रीकी देश भांप चुके हैं।

इधर पूर्वी देशों में चीनी जिद्द से रूस (सोवियत संघ के जनक) और भारत की अमेरिका विरोधी नीति सफल नहीं हो पा रही है, क्योंकि भारत विरोधी पाकिस्तान से अमेरिका के अलावा अब चीन भी प्रेम करने लगा है। इससे उत्तर कोरिया भी भारत के साथ खुलकर मैदान में नहीं आ पा रहा है, जबकि वह चीन और रूस का मित्र है। दो टूक शब्दों में कहा जाए तो रूस अब अमेरिकी और यूरोपीय देशों को करारा जवाब दे सकता है, भारत से दिलवा सकता है, लेकिन चीन के पाकिस्तान प्रेम और भारत से रणनीतिक शत्रुतापूर्ण प्रतिस्पर्धा से एशियाई देशों में अभी भी अमेरिकी-यूरोपीय दाल गल रही है।

ऐसा इसलिए कि वैश्विक कूटनीति में सभी देश अपना-अपना हित देख रहे हैं। इधर भारत के विश्वव्यापी कूटनीतिक प्रभावों से अमेरिका-यूरोप व अमेरिका-अरब देशों में जो रणनीतिक व कारोबारी खटास की नींव पड़ी है, अरब देशों में अमेरिकी चौधराहट को जो तगड़ा धक्का लगा है, उससे अमेरिका बौखलाया हुआ है। कहाँ वह भारत को अपने पाले में करके पहले चीन को सबक सिखाता और फिर पाकिस्तान के कंधे पर बंदूक रखकर भारत को कमजोर करता। लेकिन भारत के चतुर मोदी प्रशासन ने रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद रूस से पुरानी दोस्ती का हवाला देते हुए जो वफादारी दिखाई, उससे अमेरिकी शतरंज की चाल बिखर गई और उसके हथियार निर्माता कम्पनियों के तमाम अरमानों पर पानी फिर गया। ऐसा इसलिए कि भारत के प्रशासन ने सूझबूझ के साथ कदम बढ़ाते हुए अमेरिकी, रूसी, चीनी, यूरोपीय, अरब, अफ्रीकी, ऑस्ट्रेलियाई और दक्षिण अमेरिकी और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के साथ जो व्यवहारिक और गिव एंड टेक भरे कदम उठाए, उससे जहां एक ओर रूस-भारत के सम्बन्धों को मजबूती मिली, वहीं अमेरिका और उसके कारोबारी पार्टनर चीन (अब प्रतिस्पर्धी देश) की आर्थिक गतिविधियों और सैन्य रणनीतियों को करारा जवाब मिला। इसी के बदौलत जहां अफगानिस्तान से भारत के रिश्ते पटरी पर लौटे, वहीं इजरायल से मित्रता के बावजूद ईरान से सम्बन्ध खराब नहीं हुए। इन्हीं सब बातों को लेकर अमेरिका बौखलाया हुआ है।

दरअसल, अमेरिका को गलतफहमी है कि अमेरिका-यूरोप का सहयोग लेकर भारत भी चीन की तरह आशातीत प्रगति कर चुका है और जब तक ये दोनों देश रूस के साथ मित्रता रखेंगे, तब तक नाटो देशों की वैश्विक बादशाहत को रूस, भारत, ईरान जैसे देशों से चुनौती मिलती रहेगी। यही वजह है कि रूस के साथ व्यापार को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हालिया चेतावनी भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर चल रही बातचीत में अड़चन पैदा कर सकती है। ऐसा इसलिए कि यूक्रेन युद्ध रुकवाने में नाकाम रहे डोनाल्ड ट्रंप अब दूसरे जरियों से मॉस्को पर दबाव बनाना चाहते हैं। हालांकि इसमें सफलता की गारंटी लेशमात्र भी नहीं है और इससे दुनिया में नया तनाव पैदा हो सकता है।

देखा जाए तो ट्रंप ने युद्ध खत्म करने के लिए रूस को और 50 दिनों की मोहलत दी है, और यही डेडलाइन उन्होंने उन देशों के लिए रखी है, जो रूस से तेल समेत दूसरे सामान खरीदते हैं। यानी भारत और चीन, जिनके मतलबी सम्बन्ध रूस और अमेरिका दोनों से हैं। यही वजह है कि अमेरिका की नई धमकी है कि इसके बाद इन देशों पर शत (100) प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा। उधर, यही बात नैटो महासचिव मार्क रूट भी दोहरा रहे हैं। उन्होंने तो सीधे-सीधे भारत, चीन और ब्राजील का नाम लिया कि इन देशों को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से शांति के लिए बात करनी चाहिए। क्योंकि ये देश ही रूस से तेल खरीदते हैं।

बताया जाता है कि कुछ वक्त पहले तक ट्रंप इस बात पर डटे थे कि किसी भी सूरत में यूक्रेन युद्ध रुकना चाहिए। लेकिन, जब उनका दबाव रूस पर कारगर नहीं हुआ, तो उन्होंने अपनी चुगलखोर रणनीति बदल दी। अब वह यूक्रेन को हथियार सप्लाई करने के लिए तैयार हैं और पूछ भी रहे हैं कि क्या रूस पर हमला कर लोगे? ऐसा इसलिए कि अमेरिकी और दूसरे पश्चिमी देश चाहते हैं कि रूस को झुकाने में बाकी दुनिया भी उसका साथ दे- खासकर भारत और चीन।

उल्लेखनीय है कि साल 2022 में, जब से रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू हुआ है, तब से अमेरिका की यही कोशिश है। पहले भी उसने रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत पर सवाल उठाए थे और यहां से उसे इसका माकूल जवाब भी मिला था कि दुनिया के हर हिस्से के अपने-अपने हित होते हैं और इस पर यदि अपनी अपनी न चलाई जाए, तो यही सबके हित में बेहतर है। अमेरिका-यूरोप जो काम खुद करते हैं, वही करने के लिए पूरब के देशों को रोकते हैं, ताकि उनकी वैश्विक बादशाहत को रूसी-चीनी-भारतीय चुनौती कभी नहीं मिले। इसके लिये पाकिस्तान, अरब देश और ताइवान, दक्षिण कोरिया, जापान आदि उनके मोहरे हैं।

जहां तक तेल का व्यापार का सवाल है तो साल 2024-25 में भारत और रूस के बीच 68.7 अरब डॉलर का व्यापार हुआ था। इसमें सबसे ज्यादा फोकस में रहा तेल। जबकि यूक्रेन युद्ध शुरू होने के पहले तक देश की ज्यादातर तेल जरूरत मिडल ईस्ट से पूरी होती थी और तब रूस से केवल एक फीसदी क्रूड ऑयल ही आता था। लेकिन आज यह हिस्सा एक तिहाई से ज्यादा है। मई 2025 में भारत ने रूस से हर दिन करीब 20 लाख बैरल तेल मंगाया था। इस व्यापार के पीछे साधारण-सा लॉजिक है, बचत। इसलिए भारत अमेरिका के समक्ष अपनी बात मजबूती से रखता है।

कहना न होगा कि हर द्विपक्षीय वैश्विक रिश्ते को मुनाफे में तौलने वाले कारोबारी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत-रूस संबंधों को बहुत अच्छी तरह से जानते हैं। वाकई उनके दबाव बनाने के पीछे एक वजह ब्रिक्स (ब्रिक्स) नामक वैश्विक संगठन भी है, जिसकी सक्रियता उन्हें पसंद नहीं आ रही। क्योंकि इससे जी-7 देशों को चुनौती मिलती है। इसलिए भारत को इस मामले में अमेरिका के सामने अपना पक्ष मजबूती से रखना चाहिए, जिसे पिछली बाइडन सरकार ने समझा भी था। एक तरफतो डोनाल्ड ट्रंप रूस को जी-7 में शामिल करके जी-8 और चीन को शामिल करके जी-9 बनाना चाहते हैं, लेकिन दुनिया की तीसरी बड़ी सैन्य शक्ति और चौथी बड़ी आर्थिक शक्ति भारत को पीछे धकेलना चाहते हैं, जिससे भारत का कुछ नहीं बिगड़ेगा, लेकिन अमेरिकी वैश्विक चौधराहट धीरे धीरे चीन द्वारा खत्म कर दी जाएगी। शुरुआत हो चुकी है।

इसलिए भारत की आशातीत प्रगति पर ब्रेक के बाद उठती अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की खीझ के वैश्विक कूटनीतिक मायने स्पष्ट हैं। भारत को अपने गुटनिरपेक्ष पथ पर अडिग रहना चाहिए। वह ग्लोबल साउथ को साधकर एक साथ अमेरिकी-चीनी चुनौतियों का मुकाबला करने में सक्षम है। कभी बात-बात में युद्ध छेड़-छिड़वा देने वाला अमेरिका इसलिए चन्द्रायण व्रत कर लिया है, क्योंकि पहले वियतनाम में, फिर लीबिया, में, ततपश्चात अफगानिस्तान में जिस तरह से वह अपने मिशन में फेल हुआ, उससे इराकी सफलता और सीरियाई विफलता ने और अधिक दुःखदाई बना दिया। इसलिए अब अमेरिका खुद युद्ध नहीं करेगा, बल्कि यूक्रेन, इजरायल, पाकिस्तान आदि की पीठ पर हाथ रखकर करवाएगा। भारत इसे समझता है। इसलिए वह अमेरिकी जाल में नहीं फंसा, बल्कि चिड़ियों की तरह अमेरिकी जाल ही ले उड़ा, जिसे रूसी चूहे कुतर रहे हैं! शिकारी अमेरिका मन मसोसकर पाकिस्तान की शरण में शरणागत बना बैठा है। उसपर चीन का जो शिकंजा है सो अलग।

निरंकुश अभिव्यक्ति से जुड़े सुप्रीम फैसलों का स्वागत हो

ललित गर्ग

सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एंटी सोशल अभिव्यक्ति की सुनवाई करते हुए समय-समय पर जो कहा, वह जहां संवैधानिक और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिहाज से खासा अहम है वहीं एक संतुलित एवं आदर्श राष्ट्र एवं समाज व्यवस्था का आधार भी है। सोशल मीडिया मंचों पर एंटी सोशल अभिव्यक्ति के चलते उपजी विभाजनकारी एवं विध्वंसकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश की जरूरत बताते हुए देश की शीर्ष अदालत ने आत्म-नियमन, वाणी संयम एवं विचार संयम की जरूरत बतायी है। धर्म विशेष के देवी-देवताओं के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट के चलते कई राज्यों में प्राथमिकी दर्ज हुई एवं यह याचिका दायर की गई। दरअसल, जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने एक व्यक्ति द्वारा दायर इसी याचिका पर विचार करते हुए कहा कि समाज में विद्वेष, घृणा व नफरत फैलाने वाले संदेश समरसता, सौहार्द एवं सद्भावना के भारतीय परिवेश के लिये गंभीर चुनौती बने हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी से जुड़ी इन जटिल होती स्थितियों को गंभीरता से लिया और अनेक धुंधलकों को साफकिया है। अदालत का कहना था कि नागरिकों को अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार का मूल्य समझना चाहिए। साथ ही इस अधिकार का इस्तेमाल करते हुए आत्म-संयम बरतना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी व धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने से जुड़े अनेक मामलों के साथ-साथ ताजा मामले में जो फैसले किए हैं और इस दौरान जो टिप्पणियां की हैं, उसके निहितार्थों को समझते हुए इन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के जुड़े फैसलों रूपी उजालों का स्वागत होना ही चाहिए।

आज सोशल मीडिया जैसे मंचों के बेजा इस्तेमाल की प्रवृति बढ़ रही है, फेसबुक, ट्विटर, यू-ट्यूब जैसे सोशल मंचों एवं टीवी चैनलों पर ऐसी सामग्री परोसी एवं प्रस्तुत की जा रही है, जो अशिष्ट, अभद्र, हिंसक, भ्रामक, राष्ट्र-विरोधी एवं समुदाय विशेष के लोगों को आहत करने वाली होती है, जिसका उद्देश्य राष्ट्र को जोड़ना नहीं, तोड़ना है। इन सोशल मंचों पर ऐसे लोग सक्रिय हैं, जो तोड़-फोड़ की नीति में विश्वास करते हैं, वे चरित्र-हनन और गाली-गलौच जैसी औछी हरकतें करने के लिये उद्यत रहते हैं तथा उच्छृंखल एवं विध्वंसात्मक नीति अपनाते हुए अराजक माहौल बनाते हैं। एक प्रगतिशील, सभ्य एवं शालीन समाज में इस तरह की हिंसा, अश्लीलता, नफरत और भ्रामक सूचनाओं की कोई जगह नहीं होनी चाहिए, लेकिन विडम्बना है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कानून के चलते सरकार इन अराजक स्थितियों पर काबू नहीं कर पा रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने चेताया है कि यदि सोशल मीडिया पर विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश नहीं लगता तो सरकार को हस्तक्षेप करने का मौका मिलता है, जो एक अच्छी स्थिति नहीं होगी। आज सोशल मीडिया, समाचार चैनलों और राजनीतिक मंचों पर जिस प्रकार की उग्र भाषा, झूठे आरोप, धार्मिक विद्वेष और भावनात्मक उकसावे देखे जा रहे हैं, वे न केवल समाज को विभाजित कर रहे हैं, बल्कि लोकतांत्रिक संवाद की गरिमा को भी ठेस पहुँचा रहे हैं। यही वजह है कि कोर्ट को कहना पड़ा कि वह नियमन के लिये दिशा-निर्देश जारी करने पर विचार कर रही है। दरअसल, अदालत का मानना था कि भारत के संविधान का अनुच्छेद 19(1)(ए) नागरिकों को 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' देता है, इसके तहत प्रत्येक नागरिक को विचार, वाणी, लेखन, चित्रण आदि के माध्यम से स्वतंत्र रूप से अपनी बात कहने का अधिकार है। लेकिन आज इस अधिकार के दुरुपयोग की घटनाएं जिस प्रकार सामने आ रही हैं, वह चिंता का विषय बन चुकी हैं। इसलिए आज जरूरत है विचार संयम और वाणी संयम की। इसीलिये अनुच्छेद 19(2) इसके कुछ 'उचित प्रतिबंध' भी निर्धारित करता है जैसे भारत की संप्रभुता और अखंडता, देश की सुरक्षा, राज्य की अखंडता, लोक व्यवस्था, शालीनता या नैतिकता, अश्लील या अनैतिक भाषण, अदालत की अवमानना, मानहानि, अपराध के लिए उकसावा एवं अन्य देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों से जुड़ी अराजकता पर प्रतिबंध, इन प्रतिबंधों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि स्वतंत्रता का उपयोग अनुशासन और राष्ट्रीय हितों की मर्यादा में हो। संविधान के अनुच्छेद 19(2) के तहत मिली आजादी असीमित कदापि नहीं है। ताजा मामलों में कई राज्यों में स्वतंत्र अभिव्यक्ति के नियमन को लेकर सरकारी कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। कई जगह विचारों की अभिव्यक्ति व कार्टून आदि बनाने को राजनीतिक दुराग्रह बताते हुए लोगों को गिरफ्तार तक किया गया है। जिसे राजनीतिक दलों द्वारा बदले की भावना से की कार्रवाई बताया जाता रहा है। आरोप लगाया जाता रहा है कि सत्तारूढ़ दल की विचारधारा के अनुरूप अमर्यादित एवं अशालीन अभिव्यक्ति के बावजूद कोई एक्शन नहीं लिया जाता। लेकिन दूसरे राज्य में अन्य राजनीतिक दल की सरकार में यही अभिव्यक्ति अपराध बन जाती है। कोई नहीं चाहता कि आम नागरिक की अभिव्यक्ति की आजादी को सरकार नियंत्रित करे। सही मायनों में लोगों को समझना चाहिए कि देश की एकता व अखंडता बनाये रखना मौलिक कर्तव्य ही है। अदालत ने इस बाबत सवाल भी किया कि नागरिक स्वयं को संयमित क्यों नहीं कर सकते? राजनीतिक दल, धार्मिक नेता या उग्रवादी कार्यकर्ता क्यों समाज में विषवमन करते हुए विवादास्पद एवं वर्ग-धर्म विशेष के लोगों की भावनाओं को आहत करने वाले कटू एवं कड़वे बयान देते हैं? कोर्ट का मानना था कि लोग तभी अभिव्यक्ति की आजादी का आनन्द ले सकते हैं जब यह संयमित ढंग से व्यक्त की जाए। शीर्ष अदालत की पीठ का मानना था कि नागरिकों के बीच भाईचारा होना चाहिए, तभी समाज में नफरत से मुकाबला किया जा सकता है। तभी हम गंगा-जमुनी सांझा संस्कृति के राष्ट्र एवं समाज का निर्माण कर सकते हैं।

आज के दौर में हमें विचार संयम और वाणी संयम को अपनी संस्कृति और लोकतंत्र की आधारशिला बनाना होगा। जैसाकि स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि बोलने से पहले तीन बार सोचो, क्या यह सत्य है? क्या यह आवश्यक है? क्या यह दूसरों को आहत तो नहीं करेगा? संविधान हमें अधिकार देता है, लेकिन उसके साथ आत्मानुशासन और समाजहित की अपेक्षा भी करता है। यदि हम इसे समझ लें, तो हमारा लोकतंत्र और अधिक सशक्त और समरस बन सकता है। अभिव्यक्ति की आजादी लोकतंत्र की आत्मा है, लेकिन जब यह सीमा पार करती है तो देश की एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता को खतरा उत्पन्न होता है। सुप्रीम कोर्ट बार-बार यह संदेश दे रहा है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी और मर्यादा जुड़ी है। पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का भी मानना था कि यदि आपके शब्द राष्ट्र को प्रेरित करने की बजाय भटकाने लगे, तो वह आजादी नहीं, अराजकता है। सोशल मीडिया आज एक ऐसा ही अस्त्र बन गया है जो जरा सी चूक से घातक साबित हो सकता है। वास्तव में हर नागरिक को इतना सचेत व जागरूक होना जरूरी है कि वह विभिन्न स्रोतों से आने वाली सामग्री से जुड़ी मंशा को समझ सके।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा था कि लोकतंत्र में मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन मर्यादा टूटे तो वह विरोध नहीं, विघटनकारी गतिविधि बन जाती है। ऐसी ही विघटनकारी गतिविधियां सोशल मीडिया पर विनाशकारी स्वरूप लेती जा रही है। यह निर्विवाद सत्य है कि विभिन्न राजनीतिक दलों व संगठनों द्वारा सोशल मीडिया मंच का जमकर दुरुपयोग किया जाता रहा है। वहीं लोगों का कसूर यह है कि दल विशेष के एजेंडे वाली सामग्री को वे बिना पढ़े, दूसरे लोगों व समूहों में शेयर कर देते हैं। दरअसल, आम नागरिकों को प्रशिक्षित किया जाना चाहिए कि सोशल मीडिया पर उनका संयमित व्यवहार कैसा होना चाहिए? बहुत से लोगों को यह पता नहीं होता है कि सोशल मीडिया पर शेयर की जा रही सामग्री की कितनी संवेदनशीलता है? कई लोग जाने-अनजाने में ऐसी सामग्री दूसरे व्यक्तियों व समूहों में शेयर कर देते हैं जो राष्ट्र एवं समाज विरोधी हो सकती है। दरअसल, वे उसकी मूल सामग्री को बनाने वाले के छिपे एजेंडे को नहीं भांप पाते। कभी-कभी भावावेश में लोग ऐसे कदम उठा देते हैं। जाहिर है, उच्छृंखल हुए बिना आजादी के उपयोग में ही नागरिक का भी भला है और समाज का भी।

सावन में भूलकर भी शिवलिंग पर ना चढ़ाएं ये फूल

आमतौर पर भगवान शिव को सफेद और नीले रंग का फूल चढ़ाना शुभ माना जाता है, लेकिन शिवलिंग पर केतकी का फूल नहीं चढ़ाया जाता है। पौराणिक कथा के अनुसार झूठ बोलने की वजह से केतकी के फूल को शिव जी द्वारा श्राप दिया गया है, जिसकी वजह से इसे शिवलिंग पर नहीं चढ़ाया जाता है।

हिंदू पंचांग के अनुसार, 11 जुलाई से भगवान शिव को समर्पित सावन का पवित्र महीना शुरु है। इस पूरे मास भोलेबाबा के भक्त भगवान शिव और माता पार्वती को प्रसन्न करने के लिए उनकी पूजा और व्रत करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं शास्त्रों में सावन के महीने में भगवान शिव की पूजा करने के कुछ खास नियम बताए गए हैं। जिनके अनुसार 5 ऐसे फूल हैं, जिन्हें शिवलिंग पर चढ़ाना वर्जित माना गया है। ऐसे में शिव भक्त यह भी जानना चाहेंगे कि आखिर कौन से फूलों को चढ़ाने से भोलेबाब को प्रसन्नता होती है।

लाल रंग के फूल :- लाल रंग के फूल आमतौर पर सभी देवी-देवताओं को अर्पित किए जाते हैं, लेकिन भगवान शिव को लाल रंग के फूल चढ़ाना शुभ नहीं माना जाता है।

कमल का फूल :- भगवान शिव को त्याग और वैराग्य का प्रतीक माना जाता है, जबकि कमल का फूल भोग और विलास का प्रतीक है। इसलिए कमल का फूल भगवान शिव को नहीं चढ़ाया जाता है।

चंपा का फूल :- पौराणिक कथाओं के अनुसार, चंपा का फूल भगवान शिव द्वारा श्रापित है, इसलिए इसे शिवलिंग या भगवान शिव की मूर्ति पर चढ़ाना उचित नहीं माना जाता है.

कदंब का फूल :- कदंब का फूल भगवान शिव को नहीं चढ़ाया जाता है। शास्त्रों के अनुसार, भगवान शिव को कुछ फूल अप्रिय लगते हैं, और कदंब का फूल भी उन्हीं में से एक है।

भगवान शिव को बेहद प्रिय हैं ये 5 फूल

मोगरा :- मोगरा का फूल अपनी सुगंध के लिए ही नहीं बल्कि भगवान शिव के प्रिय फूलों की वजह से भी जाना जाता है। माना जाता है कि इस फूल को शिवलिंग पर चढ़ाने से भगवान शिव प्रसन्न होकर भक्तों को धन-संपदा का वरदान देते हैं।

बेला :- सफेद बेला का फूल भगवान शिव को चढ़ाने से विवाह संबंधित परेशानियां दूर होती हैं।

आक :- शिव पुराण के अनुसार भगवान शिव को आक का फूल चढ़ाने से मोक्ष की प्राप्ति होती है।

कनेर :- भगवान शिव को कनेर का फूल भी अति प्रिय है। इसे चढ़ाने से भगवान शिव अपने भक्तों को सुख-समृद्धि का वरदान देते हैं।

शमी का फूल :- शमी का फूल शिवलिंग पर चढ़ाने से महादेव की कृपा होती है।

सावन में चूड़ियों की खनक से सजाएं अपने हाथ

भारतीय संस्कृति में चूड़ियों का विशेष महत्व होता है। ऐसे में जब बात सावन की हो, तो रंग-बिरंगी चूड़ियों की रौनक और भी बढ़ जाती है। सावन में चूड़ी डिजाइन न केवल महिलाओं की सुंदरता को निखारता है, बल्कि ये उनके उत्सव और उमंग का प्रतीक भी है। हरे, पीले, लाल और कांच की खनकती चूड़ियां इस पावन महीने पहनना सभी महिलाओं को बहुत पसंद होता है। तो आज हम आपके लिए इस आर्टिकल में बेहद सुंदर-सुंदर चूड़ियों के डिजाइन लेकर आए है, जिसे आप चाहे तीज का त्योहार, राखी का दिन, या फिर कोई खास शादी-ब्याह का मौका हर खास पल में पहन सकती हैं।

हरी चूड़ियां

हरी चूड़ियां सावन और अच्छे भाग्य की निशानी होती हैं। ये महिलाओं की सुंदरता और प्यार को दिखाती हैं। सावन के महीने में हरी रंग की चूड़ियां पहनना हर महिला को बहुत पसंद होता है। इस ग्रीन चूड़ी डिजाइन में आपको नए और खास डिजाइन देखने को मिलेंगे, जो हर मौके को खास बनाने के लिए बेस्ट है।

रंग-बिरंगी चूड़ियां

रंग-बिरंगी चूड़ियां हर पहनावे में रंग भर देती है। चाहे ट्रेडिशनल हो या वेस्टर्न, ये हर ड्रेस के साथ आसानी से मैच हो जाती हैं। इस चूड़ी डिजाइन में आपको खूबसूरत, ट्रेंडी और पारंपरिक डिजाइन मिलेंगे।

रेड चूड़ियां

लाल चूड़ियां प्रेम, शक्ति, और सुहाग की निशानी मानी जाती हैं। शादी-ब्याह हो या कोई खास त्योहार, लाल चूड़ियों की खनक हर मौके को खास बना देती है। इस कलेक्शन को आप हर पहनावे साड़ी, सूट या लहंगे के साथ पहन सकती हैं।

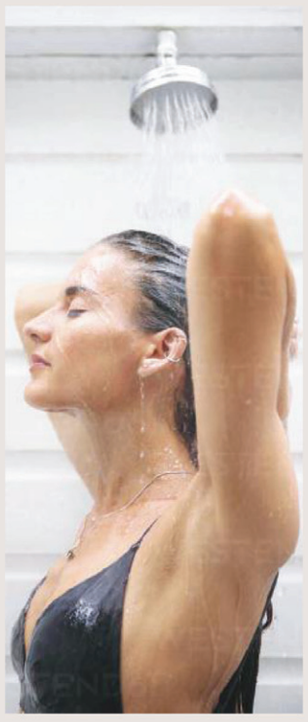

नहाते वक्त सबसे पहले किस अंग पर डालना चाहिए पानी?

हम में से ज्यादातर लोग शावर में खड़े-खड़े नहाना पसंद करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि नहाने का ये तरीका आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है? नहाने के नुकसान और आयुर्वेद के अनुसार नहाने का सही तरीका बताया है। आइए जानते हैं इसके बारे में विस्तार

नहाने का एक सही तरीका

आयुर्वेद और भारतीय परंपरा में नहाने का एक सही तरीका बताया गया है। अगर हम गलत तरीके से नहाएं, तो उसका हमारे शरीर पर बुरा असर हो सकता है। आजकल लोग बैठने की बजाय खड़े-खड़े नहाते हैं, जबकि ऐसा करना सही नहीं हैं। कई रिसर्च में इस बात का जिक्र किया गया है कि शावर में नहाने से हार्ट अटैक या अस्थमा का खतरा बढ़ सकता है। दरअसल, जब आप सीधे सिर पर ठंडा पानी डालते हैं, तो मस्तिष्क की महीन नलिकाएं सिकुड़ जाती हैं। इससे ब्लड सर्कुलेशन प्रभावित होता है और ऐसे में हार्ट अटैक का खतरा रहता है। इसलिए शावर में नहाने की जगह परांपरिक तरीके से नहाना ज्यादा बेहतर है।

नहाते वक्त सबसे पहले हाथ और पैर धोएं

नहाते वक्त सबसे पहले हाथ और पैर धोएं। धीरे-धीरे पानी को शरीर पर डालें और अंत में सिर पर डालें। कभी भी एकदम से गर्म या ठंडा पानी सिर पर न डालें क्योंकि इससे सिर और दिमाग को नुकसान हो सकता है।

बैठकर नहाने की सलाह

हो सके तो बैठकर नहाएं, लेकिन अगर खड़े-खड़े नहा रहे हैं तो भी पहले हाथ-पैर धो लें, फिर शरीर पर पानी डालें।

इस बात का भी रखें ध्यान

खाने के तुरंत बाद नहाने से बचने की सलाह देते हैं। इससे अलग हमेशा नहाने के बाद भोजन करें। वे बताते हैं आयुर्वेद के अनुसार, भोजन से पहले स्नान जरूरी है। स्नान करने से शरीर साफ होता है, पाचन शक्ति (जठराग्नि) मजबूत होती है और खाना ठीक से पचता है। ये छोटी-छोटी बातें, जैसे सही तरीके से नहाना और नहाकर ही खाना, हमारे शरीर और सेहत के लिए बहुत जरूरी हैं।

कपड़े से कैसे हटाएं पेन के दाग?

छोटे बच्चे जब पेन से लिखना शुरु करते हैं, तो अक्सर उनके कपड़ों पर इसकी इंक लग जाती है। बच्चों से अलग कई बार बड़े लोगों से भी ये गलती हो जाती है। लिखते वक्त हाथ से छूटकर गिरने पर कपड़े पर पेन चल जाना या पेन की इंक गिर जाना बेहद आम बात है। हालांकि, इसके दाग को साफ करना बड़ा मुश्किल भरा काम हो जाता है। आम डिटर्जेंट पाउडर से पेन के दाग साफ नहीं हो पाते हैं। अब, अगर आपके किसी पसंदीदा कपड़े पर भी पेन की इंक के निशान लग गए हैं और आप इसे साफ करने का कोई आसान तरीका ढूंढ रहे हैं, तो ये आर्टिकल आपके लिए मददगार हो सकता है। आपको ज्यादा चीजों या किसी महंगे प्रोडक्ट की जरूरत भी नहीं होगी, बस आपके घर में मौजूद कुछ आम चीजें ही काफी हैं। आइए जानते हैं इसके बारे में-

इसके लिए सबसे पहले, पेन की इंक लगे हुए हिस्से पर थोड़ी मात्रा में हैंड सैनिटाइजर, डेटॉल या सेवलोन जैसा एंटीसेप्टिक लिक्विड डालें। इसके बाद एक सॉफ्ट ब्रश (जैसे टूथब्रश) की मदद से उस हिस्से को धीरे-धीरे रगड़ें। ब्रश को ज्यादा जोर से रगड़ने से बचें। ऐसा करने से कपड़े का फैब्रिक खराब हो सकता है। कुछ ही मिनटों में आप देखेंगे कि इंक का दाग हल्का होने लगा है। एक बार दाग हल्का हो जाए, तो उस हिस्से को साफ और ठंडे पानी से धो लें। जरूरत हो तो इस प्रोसेस को एक बार और दोहराएं।

कैसे काम करती है ये ट्रिक?

दरअसल, हैंड सैनिटाइजर, डेटॉल या सेवलोन जैसे एंटीसेप्टिक लिक्विड अल्कोहॉल बेस्ड होते हैं, जो स्याही को घोलने और हटाने में मदद करते हैं। हालांकि, किसी कीमती या बहुत नाजुक कपड़े पर ये तरीका अपनाने से पहले उस कपड़े के एक छोटे हिस्से पर टेस्ट जरूर कर लें।

मां बनने में आपकी मदद कर सकते हैं योगासन

दुनिया भर में ज्यादातर लोग स्ट्रेस, चिंता, डिप्रेशन, गतिहीन लाइफस्टाइल, एक्सरसाइज की कमी और इसी तरह के दूसरे कारणों की वजह से समस्याओं से जूझ रहे हैं। बहुत से कपल्स इन दिनों फर्टिलिटी की समस्या से परेशान हैं। अगर आप भी इस परेशानी से जूझ रहे हैं तो कुछ योगासन मददगार साबित हो सकते हैं। यहां जानिए 5 योगासन जो मां बनने में आपकी मदद कर सकते हैं।

1) सुप्त बद्ध कोणासन

पीठ के बल चटाई पर लेट जाएं और पैरों को मोड़कर, तलवों को आपस में मिलाएं और घुटनों को बाहर की ओर फैलाएं। हाथों को शरीर के दोनों तरफ रखें, हथेलियां ऊपर की ओर खुली रहें। गहरी सांस लें और शरीर को पूरी तरह से आराम दें। फिर 5-10 मिनट तक इस आसन में रहें, फिर घुटनों को धीरे-धीरे पास लाएं और पैरों को सीधा करें।

2) पश्चिमोत्तान आसन

अपने पैरों को फैलाएं और अपने हाथों को सिर के ऊपर तक पहुंचाएं। फिर अपनी रीढ़ को ऊपर की ओर खींचें और आगे की ओर झुकें, कूल्हों पर झुकें और अपनी पीठ को सीधा रखें। अपनी रीढ़ को फैलाते हुए जितना संभव हो सके आगे की ओर झुकें। अब पांच गहरी सांसें लें।

3) सर्वांगासन

सबसे पहले पीठ के बल जमीन पर लेट जाएं। फिर पैरों, कूल्हों और कमर को धीरे-धीरे ऊपर उठाएं, जिससे शरीर का भार कंधों पर आ जाए। कमर को संतुलित करते हुए पैरों को सीधा ऊपर की ओर करें। कुछ देर इसी स्थिति में रहें और फिर धीरे-धीरे सामान्य स्थिति में लौट आएं।

4) उत्तान शीशोसन

इस आसन को करने के लिए मैट पर हाथों और घुटनों के बल बैठें। फिर अपने हाथों को आगे की तरफ बढ़ाएं और सिर को जमीन पर टिकाएं। छाती को फर्श की ओर झुकाएं और हिप्स को ऊपर उठाएं। अपनी सांस पर ध्यान दें और 5-10 सांसों तक ऐसे ही रहें। फिर धीरे-धीरे शुरुआती स्थिति में वापस आएं।

5) भुजंगासन

इस आसन को करने के लिए पेट के बल सीधा लेटकर पैरों के बीच थोड़ी दूरी रखें। अब हाथों को छाती के पास ले जाते हुए हथेलियों को नीचे टिका लें। गहरी सांस लेते हुए नाभि को ऊपर उठाएं और आसमान की तरफ देखें। इस मुद्रा में कुछ देर रहें और फिर शुरुआती स्थिति में वापस आएं।

मानसून में इन चटनी को अपनी डाइट में करें शामिल

बारिश का मौसम आते ही मौसम में नमी और ठंडक आ जाती है। इस मौसम में हमारी पाचन क्रिया थोड़ी धीमी हो जाती है, इसलिए हमें ऐसी चीजें खानी चाहिए जो आसानी से पच जाएं और हमारे शरीर को पोषण भी दें। चटनी एक ऐसी चीज है जो खाने का स्वाद बढ़ा देती है और सेहत के लिए भी फायदेमंद होती है। मानसून के मौसम में खास तौर पर कुछ चटनी को अपनी डाइट में शामिल करने से शरीर को कई तरह के फायदे मिल सकते हैं।

1 पुदीने की चटनी

पुदीने की चटनी मानसून के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। पुदीने में ठंडक पहुंचाने वाले गुण होते हैं जो गर्मी से राहत दिलाते हैं। यह पाचन को सुधारने में भी मदद करती है और पेट की समस्याओं जैसे गैस और अपच से राहत दिलाती है। पुदीने में एंटीऑक्सीडेंट भी भरपूर मात्रा में होते हैं जो शरीर को बीमारियों से लड़ने में मदद करते हैं।

बनाने की विधि: पुदीने की पत्तियां, हरी मिर्च, थोड़ा सा अदरक, नींबू का रस और नमक को मिक्सर में पीस लें। आप इसमें थोड़ा सा दही भी मिला सकते हैं।

2 धनिये की चटनी

धनिये की चटनी स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी बहुत अच्छी होती है। धनिये में विटामिन सी, विटामिन के और कई तरह के मिनरल्स पाए जाते हैं जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। यह पाचन क्रिया को भी दुरुस्त रखती है और पेट फूलने जैसी समस्याओं से आराम दिलाती है।

बनाने की विधि: धनिया पत्ती, हरी मिर्च, थोड़ा सा लहसुन, नींबू का रस और नमक को एक साथ पीस लें। आप इसमें भुनी हुई मूंगफली भी मिला सकते हैं जिससे इसका स्वाद और बढ़ जाएगा।

3 टमाटर की चटनी

टमाटर की चटनी खाने में स्वादिष्ट होती है और इसमें लाइकोपीन नामक एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाया जाता है। यह एंटीऑक्सीडेंट शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाने में मदद करता है और कई तरह की बीमारियों के खतरे को कम करता है। मानसून में टमाटर की चटनी खाने से शरीर को ऊर्जा मिलती है और यह त्वचा के लिए भी अच्छी होती है।

बनाने की विधि: टमाटर को उबालकर या भूनकर छील लें। फिर इसे प्याज, हरी मिर्च, अदरक और नमक के साथ पीस लें। आप इसमें थोड़ा सा चीनी और हींग भी मिला सकते हैं।

आज ही फ्रिज से बाहर फेंक दें ये चीजें

फ्रिज हमारे किचन का अहम हिस्सा बन चुका है, जो भोजन को लंबे समय तक ताजा रखने में मदद करता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ चीजें ऐसी भी होती हैं, जिन्हें फ्रिज में रखना हमारी सेहत के लिए हानिकारक साबित हो सकता है? मामले को लेकर यूएस बोर्ड-प्रमाणित हेमेटोलॉजिस्ट और ऑन्कोलॉजिस्ट डॉक्टर के अनुसार 5 ऐसी ही चीजों के बारे में बताया है, जिन्हें फ्रिज में रखने से उनमें बैक्टीरिया या टॉक्सिक तत्व पनप सकते हैं, जिससे फूड प्वाइजनिंग या हार्मोनल गड़बड़ी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। सेहत के लिए हानिकारक चीजों पर विशेष ध्यान रखना चाहिए।

1 खुली दही

दही में प्राकृतिक रूप से प्रोबायोटिक बैक्टीरिया होते हैं, जो पाचन के लिए फायदेमंद होते हैं। लेकिन जब दही को खुला छोड़कर तीन दिन से ज्यादा समय तक फ्रिज में रखा जाता है, तो इसमें हानिकारक बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। ये बैक्टीरिया प्रोबायोटिक के लाभों को खत्म कर देते हैं और इंफेक्शन का खतरा बढ़ा सकते हैं। ऐसे में बेहतर है कि दही को ताजा खाएं और लंबे समय तक स्टोर करने से बचें।

2 कटी हुई प्याज

प्याज को काटकर फ्रिज में रखने से यह सल्फर गैस छोड़ती है, जो अन्य खाद्य पदार्थों को भी दूषित कर सकती है। इसके अलावा, कटे हुए प्याज में जल्दी बैक्टीरिया पनपते हैं और यह फूड प्वाइजनिंग का कारण बन सकते हैं। ऐसे में अगर प्याज को काटना ही है, तो तुरंत इस्तेमाल करें और फ्रिज में स्टोर करने से बचें।

3 प्लास्टिक की बोतल में रखा पानी

बहुत से लोग प्लास्टिक की बोतलों में पानी भरकर फ्रिज में रखते हैं, लेकिन यह आदत परेशानी बढ़ा सकती है। प्लास्टिक की कुछ बोतलें बिस्फेनॉल ए (BPA) छोड़ती हैं, जो एक हानिकारक रसायन है। यह एंडोक्राइन सिस्टम को प्रभावित कर सकता है और खासकर बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए खतरनाक हो सकता है।

4 दो दिन से पुराने चावल

चावल को दो दिन से ज्यादा समय तक फ्रिज में रखना सेहत के लिए जोखिम भरा हो सकता है। इसमें बैसिलस नामक बैक्टीरिया पनपता है, जो गर्म करने के बाद भी पूरी तरह नष्ट नहीं होता और इसके सेवन से उल्टी, दस्त या फूड प्वाइजनिंग हो सकती है।

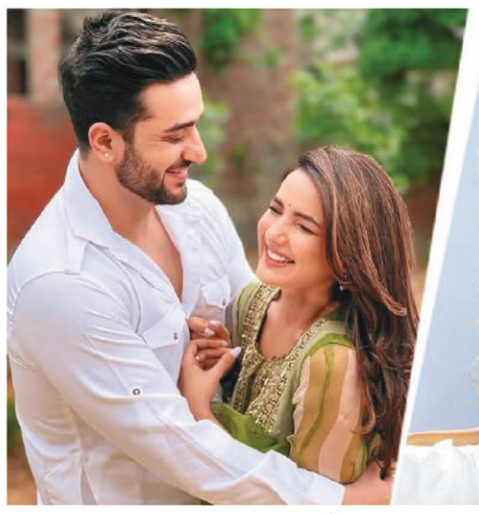

अली गोनी और करण कुंद्रा करने जा रहे हैं साथ में शादी ?

खर्चा बचाने और नेटफ्लिक्स पर बेचने की कर ली है प्लानिंग

टीवी इंडस्ट्री के दो मोस्ट बैचलर कपल अली गोनी-जैस्मीन भसीन और करण कुंद्रा-तेजस्वी प्रकाश की शादी पर हर किसी की नजरें टिकी हुई है। हर कोई इस पल का इंतजार कर रहा है कि ये चारों कब फेरे लेंगे। क्योंकि इन्हें डेट करते हुए एक अरसा बीत रहा है। जहां अली और जैस्मिन लिव-इन में रह रहे हैं और एक नए घर में शिफ्ट हो गए हैं। वहीं करण और तेजस्वी भी साथ में अक्सर घूमते-फिरते नजर आते हैं। लेकिन ये कब बंधन में बधेंगे, किसी को पता नहीं।

लेकिन अब एक वीडियो सामने आया है, जिसमे दोनों एक्टर अपनी शादी की प्लानिंग करते नजर आए। दरअसल, एक महीने पहले यानी 5 जून, 2025 को अली गोनी ने JasLy यूट्यूब चैनल पर व्लॉग शेयर किया था, जिसमें वह और करण कुंद्रा 'लाफ्टर शेफ्स 2' के सेट पर बात करते दिखाई दिए। पहले अली अपने सफेद बाल दिखाते हुए बोलते हैं कि कांड हो गया। फिर करण से कहते हैं, 'जल्दी शादी कर ना, फिर मैं भी करूंगा। या भाई एक काम करते हैं, साथ में शादी कर लेते हैं।'करण कुंद्रा ने साथ में शादी करने वाली बात पर कहा, 'साथ में करते हैं। एक खर्चा बच जाएगा और पार्टी डबल हो जाएगी।' अली ने कहा, 'और दोस्त सब सेम ही हैं ऑलमोस्ट।' करण भी हामी भरते हैं कि उन दोनों के दोस्त सेम ही हैं। फिर अली भी इसे अच्छआ आइडिया बताते हैं, 'आइडिया अच्छआ है। वैयार यार कहीं बाहर करते हैं। इंडिया के बाहर।' करण ने कहा कि ऐसा किसी ने नहीं किया होगा।

कट बोलने के बाद भी हीरो पर लात-घूंसे चलाते रहे अमिताभ बच्चन

मूवी हुई ब्लॉकबस्टर फिर दोनों कभी नहीं दिखे साथ

दशकों से फिल्म इंडस्ट्री में छाए अमिताभ बच्चन अपने फिल्मी करियर ने कई फिल्में कर चुके हैं. 70 के दशक से लेकर अबतक अमिताभ बच्चन कई स्टार्स के साथ काम कर चुके है. लेकिन एक बहुत ही अच्छे दोस्त के साथ उनकी ऐसी लड़ाई हो गई थी कि फिर दोनों ने दोबारा साथ काम नहीं किया. दोनों की जोड़ी सुपरहिट मानी जाती थी.

एक विवाद और दोस्ती खत्म

हम बात कर रहे हैं एक जमाने की सुपरहिट जोड़ी शत्रुघ्न सिन्हा और अमिताभ बच्चन की. फिल्म काला पत्थर के दौरान दोनों के बीच बहुत बड़ा विवाद हो गया था. ऐसा विवाद कि फिर दोनों ने कभी साथ में फिल्में नहीं की.

इस फिल्म में हुई अनबन

शत्रुघ्न सिन्हा अमिताभ बच्चन के सीनियर और अच्छे दोस्त रहे हैं. पहले से ही सुपरस्टार शत्रुघ्न सिन्हा का अमिताभ बच्चन से कई बार टकराव रहा. फिर भी दोनों के बीच काफी प्रेम था. लेकिन फिल्म काला पत्थर के दौरान दोनों के बीच अनबन हो गई थी.

शत्रुघ्न सिन्हा ने कही ये बात

इसपर शत्रुघ्न सिन्हा ने खुद कहा था, 'हम अच्छे दोस्त थे अपने स्ट्रगल के दिनों से. लेकिन फिर उन दिनों रोमांच का चक्कर रहा हो या रोमांस का चक्कर रहा हो, उस समय कुछ हुआ. मैंने उन्हें कहा कि यह स्क्रिप्ट नहीं है, लेकिन अमिताभ की टीम ने अप्रूव किया.'

फाइट सीन को लेकर बिगड़ा मामला

ये पूरा मामला फिल्म में शामिल एक फाइट सीन को लेकर था, जिसमें शत्रुघ्न सिन्हा को बताया गया कि फाइट सीक्वेंस में बदलाव किए गए हैं और इस बार अमिताभ का किरदार सिर्फ उन्हें मारेगा. इसपर एक्टर ने कहा कि कि यह बात तो नहीं हुई थी. क्या होगा अगर शशि कपूर का किरदार उन्हें नहीं रोकेगा तो मेरा किरदार तो मर जाएगा.

कट बोलने के बाद भी नहीं रुकते थे अमिताभ

कहा जाता है कि सेट पर फाइट सीन के दौरान अमिताभ बच्चन इस तरह खो जाते हैं कि यश चोपड़ा के कट बोलने के बाद भी शत्रुघ्न सिन्हा को मारते रहते हैं.

एक्टर-डायरेक्टर धीरज कुमार का निधन

फिल्म इंडस्ट्री से एक दुखद खबर सामने आ रही है। जाने-माने डायरेक्टर, प्रोड्यूसर और एक्टर धीरज कुमार का निधन हो गया है। उन्होंने 79 साल की उम्र में मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में आखिरी सांस ली। निमोनिया के कारण उन्हें एडमिट कराया गया था, लेकिन तबीयत खराब होने के कारण उन्हें वेंटिलेटर पर शिफ्ट कर दिया या था। लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। उन्होंने बॉलीवुड और पंजाबी फिल्मों में एक्टिंग की थी, जिनमें 'संग्राम', 'रोटी कपड़ा और मकान' व 'बहरूपिया' जैसी फिल्में शामिल हैं। Dheeraj Kumar के परिवार ने उनकी मौत के बाद बयान जारी किया है। उन्होंने बताया कि निमोनिया के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्हें ICU में वेंटिलेटर पर रखा गया। तमाम कोशिशों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। धीरज कुमार का असली नाम धीरज कोचर है। 1 अक्टूबर 1944 में उनका जन्म हुआ था। वो एक्टर, टीवी प्रोड्यूसर और डायरेक्टर थे। उन्होंने 'क्रिएटिव आई लिमिटेड' प्रोडक्शन कंपनी की नींव साल 1986 में रखी थी। साल 1965 में धीरज कुमार यूनाइटेड प्रोड्यूसर्स और फिल्मफेयर द्वारा आयोजित एक टैलेंट शो के फाइनलिस्ट में से एक थे। अन्य फाइनलिस्टों में सुभाष घई और राजेश खन्ना शामिल थे।

फराह खान ने कहा जब मेरी और अक्षय कुमार की फिल्म फ्लॉप हुई थी तब लोगों ने जश्न मनाया था

फिल्ममेकर फराह खान ने बड़ा खुलासा किया है। दरअसल फराह इन दिनों अपने कुक दिलीप के साथ मिलकर कुकिंग व्लॉग चला रही हैं। वह अपने व्लॉग में सेलेब्स के साथ मिलकर अलग-अलग चीजें बनाती हैं। इस बार वह अपने व्लॉग का अगला एपिसोड शूट करने प्रोड्यूसर जैकी भगनानी और उनकी पत्नी एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह के आलीशान घर पहुंचीं। इसी दौरान, फराह ने बताया कि जब उनकी फिल्म फ्लॉप हुई थी तो लोगों ने जश्न मनाया था।

फराह ने कहा, "हमारी इंडस्ट्री में लोग अपनी सफलता से ज्यादा आपके फेल होने पर खुश होते हैं। जब मेरी साल 2010 में आई फिल्म 'तीस मार खान' फ्लॉप हो गई थी तब सच में बॉलीवुड के कुछ जाने माने लोगों ने जश्न मनाया था। ये वो लोग थे जिन लोगों के साथ मैंने काम किया था, वे कह रहे थे, 'अब आई ना लाइन पर!'।" फराह ने आगे हंसते हुए ये भी कहा कि आज की जेनरेशन के लिए 'तीस मार खान' एक कल्ट फिल्म बन गई है, लेकिन उस वक्त इंडस्ट्री में लोग उनके फेल होने से खुश थे। बता दें, 'तीस मार खान' में अक्षय कुमार ने लीड रोल प्ले किया था। व्लॉग में जैकी भगनानी और उनके पिता वाशु भगनानी के स्ट्रगल की कहानी भी सामने आई। जैकी ने बताया कि उनके पिता वाशु ने अपने करियर की शुरुआत फुटपाथ पर साड़ी बेचने से की थी। जैकी ने बताया कि फिल्म इंडस्ट्री में बार-बार असफलता झेलने के बावजूद उनके पिता ने कभी हार नहीं मानी। इस पर फराह ने कहा कि इस इंडस्ट्री में वही टिक पाता है तो बार-बार गिरकर उठना जानता हो।

रोती ऐश्वर्या बनीं द्रौपदी तो शकुनी बने नवाजुद्दीन ने जीता दिल

इस वक्त फिल्मी दुनिया में पौराणिक कहानियों का प्रचलन तेज हो गया है। जहां नितेश तिवारी 'रामायणम्' बना रहे हैं। वहीं आमिर खान ने भी 'महाभारत' का ऐलान किया है। इन सबके बीच एक वीडियो सामने आया है, जिसमें रणवीर सिंह से लेकर नवाजुद्दीन सिद्दीकी, अमिताभ बच्चन, जॉन अब्राहम जैसे तमाम एक्टर्स 'महाभारत' के अलग-अलग किरदारों में नजर आ रहे हैं और हर किसी का ध्यान अपनी तरफ खींच रहे हैं। और रणबीर कपूर को देखकर हंस रहे हैं। इंस्टाग्राम पेज History AI Films ने एक AI जेनेरेटेड वीडियो शेयर किया। और उन्होंने अपने हिसाब के एक्टर्स को महाभारत के मुख्य किरदारों में ढाल दिया। कैप्शन दिया, 'अगर बॉलीवुड में महाभारत बनती।' इसमें ऋतिक रोशन को अर्जुन के रूप में दिखाया गया है, जो रण में धनुष-बाण लिए युद्ध लड़ रहे हैं। इसके अलावा, नवाजुद्दीन सिद्दीकी को शकुनी मामा के रोल में दर्शाया गया है, जिसमें वह एकदम फिट बैठ रहे हैं। हाथ में पासा लिए उनकी कुटीली मुस्कान भा रही है। क्लिप में जॉन अब्राहम को भीम के रूप में दिखाया गया है। लंबी-चौड़ी पर्सनालिटी के साथ हाथ में गदा लिए वह इस कैरेक्टर में जम रहे हैं। रणवीर सिंह भी दुर्योधन के रोल में नजर आ रहे हैं, जो षड़यंत्र रचने वाले मोड में खड़े हैं। अमिताभ बच्चन को भीष्म बनाया गया है।

निकिता लूथर ने लगाया मेकर्स पर यह आरोप बोलीं शो स्क्रिप्टेड तो नहीं है लेकिन...

करण जौहर होस्टेड रियलिटी टीवी शो 'द ट्रेटर्स' जीतकर उर्फी जावेद ने सभी को चौंका दिया। क्योंकि शो का यह पहला सीजन था इसलिए इस पर तमाम तरह के सवाल भी उठाए गए, किसी ने इसे स्क्रिप्टेड बताया तो किसी ने कहा कि उर्फी जावेद वाला सीक्वेंस पहले से प्लान्ड था। अब शो की कंटेस्टेंट रहीं प्रोफेशनल पोकर प्लेयर निकिता लूथर ने कहा है कि गेम भले ही स्क्रिप्टेड नहीं था, लेकिन शो की एडिटिंग जरूर स्क्रिप्टेड रही है। निकिता यह सीजन उर्फी जावेद के साथ बतौर इनोसेंट जीती हैं और प्राइज मनी आधी-आधी बांटी गई थी। निकिता लूथर ने टू-फिल्मी के साथ बातचीत में बताया कि जहां शो स्क्रिप्टेड नहीं था वहीं एडिटिंग के साथ काफी ज्यादा छेड़छाड़ की गई है। ताकि अपने हिसाब से चीजों और किरदारों को दिशा दी जा सके। निकिता ने बताया कि कैसे शो में उनके गेम प्लान को पूरी तरह दबा दिया गया और इस बारे में अपना गुस्सा निकालते हुए कहा कि उन्हें छठवें दिन से ही इस बात का शक था कि पूरब झा ट्रेटर हैं, लेकिन उनके इस शक को किसी भी एपिसोड में नहीं दिखाया गया है। निकिता की पूरब झा के साथ फाइनल एपिसोड में काफी जबरदस्त टक्कर हुई थी और इसे भी एडिटिंग में हटा दिया गया है। ये सारी बातें बताते हुए निकिता लूथर ने कहा कि एडिटिंग में भारी स्क्रिप्टिंग हुई है।

अल्लू अर्जुन बनेंगे दादा, पिता और बेटा!

जी हां, हम बात कर रहे हैं 'पुष्पा' फेम स्टार अल्लू अर्जुन की अगली फिल्म की, जिसका डायरेक्शन शाहरुख खान की 'जवान' के निर्देशक एटली करने वाले हैं। फिलहाल इसका टाइटल AA22xA6 है। बीते दिनों खबर आई थी कि फिल्म में दीपिका पादुकोण होंगी। लेकिन सिर्फ दीपिका ही नहीं, चार-चार हीरोइन नजर आएंगी। दिलचस्प बात तो ये है कि 'पुष्पा' की श्रीवल्ली इस बार उनकी बाइको नहीं, बल्कि उनके खिलाफ होंगी। वो निगेटिव रोल में नजर आने वाली हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पिछली बार 'पुष्पा 2' में नजर आए अल्लू अर्जुन इस समय एटली की इसी फिल्म पर काम कर रहे हैं। इसमें दीपिका पादुकोण के अलावा रश्मिका मंदाना, जान्हवी कपूर और मृणाल ठाकुर भी होंगी।

अब इस फिल्म को लेकर लेटेस्ट अपडेट ये है कि अल्लू अर्जुन एक नहीं, कई रोल्स में नजर आएंगे और ऐसा वो पहली बार करने वाले हैं। वो पूरे परिवार का किरदार निभाएंगे। बेटे का भी, बाप का भी और दादा का भी।'बॉलीवुड हंगामा' की रिपोर्ट के अनुसार, 'ये अल्लू अर्जुन के करियर की पहली मल्टीपल रोल वाली फिल्म होगी, जिसमें वो पूरे परिवार दादा, पिता और बेटे के रोल में नजर आएंगे।' सूत्र ये भी बता रहे हैं कि खुद अल्लू अर्जुन ने ऐसा करने की अपनी डिमांड रखी थी। ये सुनकर एटली पहले तो थोड़ा हिचकिचाए थे, लेकिन लुक टेस्ट लेने के बाद वो भी राजी हो गए। बात करें इस फिल्म में रश्मिका मंदाना के रोल की तो डायरेक्टर उन्हें अल्लू अर्जुन की हीरोइन बनाकर नहीं, बल्कि विलेन बनाकर ला रहे हैं। रश्मिका को अल्लू अर्जुन के अपोजिट देखा जाएगा। ये पहली बार होगा, जब रश्मिका निगेटिव रोल में होगीं। वो अल्लू अर्जुन, दीपिका, जान्हवी और मृणाल से भी भिड़ेंगी।

ऋचा चड्ढा ने राधिका के पिता को जमकर लताड़ा

हरदोई, उत्तर प्रदेश में हुई 17 साल की टेनिस प्लेयर राधिका यादव की हत्या ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया। इस दिल दहला देने वाले मामले पर अब बॉलीवुड एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। ऋचा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए आरोपी पिता दीपक यादव को जमकर लताड़ा है। इतना ही नहीं, ऋचा ने उन लोगों की भी आलोचना की जो इस कत्ल को सही ठहरा रहे हैं। ऋचा ने लिखा, "अपने ही बच्चे को मारने में कोई इज्जत नहीं होती। अगर पहले कुछ लोगों ने उसके बारे में बातें की हों, तो अब पूरा संसार दीपक यादव को हमेशा के लिए एक लूजर के तौर पर याद रखेगा।

दीपक यादव, तुमने इतिहास में खुद का नाम एक कायर और हारने वाले व्यक्ति के रूप में दर्ज करा लिया है।"इतना ही नहीं, ऋचा ने उन लोगों की भी आलोचना की जो इस हत्या को जायज ठहराने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "सबसे दुखद बात यह है कि कुछ मर्द इसे जायज ठहरा रहे हैं। ऐसे लोग भी लूजर हैं।"ऋचा की ये प्रतिक्रिया उस वीडियो पर आई जिसमें राधिका की दोस्त ने बताया कि राधिका को उसके कपड़ों, लड़कों से बात करने और अपनी जिंदगी अपनी मर्जी से जीने के लिए अक्सर शर्मिंदा किया जाता था। बता दें कि राधिका की हत्या उसके पिता ने गोली मारकर की थी। वजह ये बताई जा रही है कि दीपक यादव को अपनी बेटी की सफलता और आज़ादी से 'इज्जत' पर आंच महसूस हो रही थी।

दिल पे चलाई छुरियां का रिलीज हुआ गाना

टी-सीरीज ने सोनू निगम के गाने 'दिल पे चलाई छुरियां' का ट्रेंडिंग वर्जन रिलीज कर दिया है। इसके बैकग्राउंड की कहानी काफी रोचक है। दरअसल राजू कलाकार बीते कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर काफी वायरल हैं। एक वीडियो में वह हाथ में संगमरमर के दो टुकड़े लेकर सोनू निगम का गाना 'दिल पे चलाई छुरियां' गाते दिखते हैं। यह क्लिप इतनी वायरल हुई कि सोनू निगम तक पहुंच गई और कुछ दिन पहले सोनू निगम राजू के साथ दिखे। फिर टी-सीरीज ने वादा किया कि सोमवार तक कुछ स्पेशल आने वाला है। फाइनली इंतजार पूरा हुआ। 'दिल पे चलाईं छुरियां' वीडियो में आवाज सोनू निगम की है, सेंट्रल कैरेक्टर कच्चा बादाम पर डांस करके वायरल हुईं अंजलि अरोड़ा हैं। साथ में राजन अरोड़ा, रिषभ शुक्ला और दीपक गर्ग वगैरह हैं। वीडियो को मिले-जुले रिएक्शंस मिले हैं। एक ने लिखा है, टी-सीरीज के लिए सम्मान बढ़ गया क्योंकि उन्होंने असली आर्टिस्ट को गाने में लिया। कुछ लोग लिख रहे हैं कि गाना ठीक है पर अंजलि अरोड़ा को नहीं लेना चाहिए था।

कुछ लोग इसे साल 2025 का ट्रेंडिंग गाना बता रहे हैं। राजू कलाकार इंस्टाग्राम पर हैं और यहां उनको 231k लोग फॉलो कर रहे हैं। राजू ने पहला वीडियो 6 जून को डाला था और अब फॉलोअर्स की संख्या अब बढ़ सकती है। यूट्यूब पर भी उनके कई शॉर्ट्स हैं। बताया जा रहा है कि उन्होंने कुछ लोगों के सामने ये गाना गाया और बैकग्राउंड में सोनू निगम का गाना डाल दिया। उनकी आवाज काफी फिट बैठ रही थी और उनका यह वीडियो वायरल हो गया। इसके बाद ही राजू कलाकार लोगों की फिर सोनू निगम और टीसीरीज की नजर में आ गए।

खबर-खास

किसानों लिए फायदेमंद है नैनो उर्वरक-नैनो डीएपी, नैनो यूरिया

उप संचालक कृषि ने दी सलाह

ब्यूरों सैय्यदा मुनीजा हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। धमतरी/ जिले में पर्याप्त वर्षा होने के कारण कृषि कार्य द्रुतगति से जारी हैं। कृषक खेतों की तैयारी के साथ-साथ धान की रोपाई में व्यस्त है। लगातार अधिक बारिश होने के कारण निचली भूमि में जल भराव के कारण धान की रोपाई आंशिक रूप से बाधित हुई, किन्तु मौसम के खुलने के साथ ही पुन: धान की रोपाई कार्य अंचल में शुरू हो चुकी है। कृषक आवश्यकतानुसार उर्वरकों का भण्डारण भी कर चुके हैं तथा छुटे हुए किसान लगातार समितियों के माध्यम से ब्याज मुक्त ऋण लेकर उर्वरकों का उठाव कर रहे हैं। कृषि वैज्ञानिकों के द्वारा लागत कम और मुनाफा ज्यादा हो इसके लिए नित नये अविष्कार किये जा रहे हैं। उप संचालक कृषि श्री मोनेश साहू ने बताया कि कृषि में नैनो टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करते हुए नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी ईजाद किया गया है, जो कि तरल रूप में अनुप्रयोग हेतु जिले में भण्डारण-वितरण किया गया है। नैनो यूरिया का उपयोग प्रति एकड़ 500 मि.ली. की दर से किया जाता है। नैनो यूरिया फसलों को पर्याप्त पोषण प्रदाय करने के साथ-साथ कीट बीमारियों को कम करता है। इसके साथ ही मिट्टी, जल एवं वायु को प्रदूषित नहीं करता। उन्होंने बताया कि भण्डारण एवं परिवहन में सुविधाजनक, फसल उपज एवं गुणवत्ता में वृद्धि के साथ-साथ कम पानी वाले क्षेत्रों के लिए भी बेहतर होता है। उप संचालक ने बताया कि धान के लिए फसल बुआई (अंकुरण) से 30-40 दिन बाद पहला छिड़काव, दूसरा छिड़काव 55-60 दिन बाद किया जाना श्रेष्ठ होता है। नैनो डीएपी में नाइट्रोजन तथा फॉस्फोरस दोनों तत्वों की 8:16 प्रतिशत की उपलब्धता होती है। यह किसानों के लिए अधिक सुविधाजनक है। साथ ही बीज, जड़ एवं कंद उपचार भी की जा सकती है। इसके उपयोग से परम्परागत डीएपी के अनुप्रयोगों को 50-75 प्रतिशत तक कम की जा सकती है। बीज उपचार के लिए 5 मि.ली. नैनो डीएपी का उपयोग प्रति किलो बीज हेतु की जाती है। धान की थरहा उपचार हेतु डीएपी की 50 मि.ली. मात्रा लेकर 10 लीटर पानी में घोल बनाएं तथा 15-20 मिनट तक डुबोकर रखने के पश्चात रोपाई करने से पौधा चमकदार, रोग-प्रतिरोधी तथा अधिक कल्ले निकालने में मदद करती है। नैनो डीएपी उर्वरक का उपयोग पर्णीय छिड़काव हेतु फसल अवस्था की 30 दिन बाद 250 मि.ली. 125 लीटर पानी की मात्रा के साथ प्रति एकड़ अनुसंशित मात्रा है। नैनो डीएपी कम लागत में परम्परागत डीएपी की तुलना समान उपज देती है तथा आत्मनिर्भरता में कमी लाती है। उर्वरक लागत में 25-50 प्रतिशत तक कमी लाती है तथा पर्यावरण के लिए सुरक्षित विकल्प के तौर पर इस्तेमाल की जाती है। नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी का अनुप्रयोग अन्न वाली फसल दलहन-तिलहन, सब्जियां एवं फल-फूल वाली फसलों में आसानी से की जाती है। उप संचालक श्री साहू ने किसान भाईयों से अपील की है कि वे अपने नजदीकी समितियों से नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया प्राप्त कर अधिक से अधिक उपयोग करें, ताकि समय, राशि, श्रम एवं संसाधन की बचत हो सके।

81 ग्राम के स्वच्छाग्रहियों को स्वास्थ्य सुरक्षा किट दवाइयों का किया गया वितरण

दुर्ग/ जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री बजरंग दुबे के अध्यक्षता में जनपद पंचायत दुर्ग सभागार में स्वच्छाग्रही स्व सहायता समूह की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में 81 ग्राम के लगभग 150 स्वच्छाग्रही उपस्थित हुए ग्राम पंचायतों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन अंतर्गत घर-घर कचरा एकत्रीकरण कर रहे स्वच्छाग्रही समूह के सदस्यों का उन्मुखीकरण करते हुए स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से आवश्यक दवाइयों के किट का वितरण किया गया, जिसे प्राथमिक उपचार के रूप में स्वच्छाग्रही द्वारा उपयोग किया जायेगा। श्री पिताम्बर यादव सहायक परियोजना अधिकारी, जिला पंचायत दुर्ग द्वारा ग्राम स्तर पर आ रही चुनौतियों पर चर्चा की गई। स्वच्छाग्रहियों द्वारा जानकारी दी गई कि 36 ग्राम में 01 दिन, 23 गांव में 02 दिन, 04 गांव में 03 दिन, 04 गांव में 06 दिन एवं 14 गांव में 07 दिन घर-घर कचरा एकत्रीकरण का कार्य किया जा रहा है। ग्राम पंचायत द्वारा कुछ ग्राम पंचायतों में 05 से 06 माह से मानदेय नहीं दिया गया है, जिस पर श्री बजरंग दुबे द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए लंबित मानदेय का तत्काल भुगतान किये जाने के निर्देश दिये गये हैं। गांव में स्वच्छाग्रहियों को उचित मानदेय प्रदाय करने के लिए निरंतर यूजर चार्ज लिये जाने के लिए ग्राम पंचायत सरपंच, सचिव एवं ग्रामीणों को प्रेरित किया जा रहा है। ग्राम पंचायत कोलिहापुरी का उदाहरण देते हुए श्री बजरंग दुबे ने बताया कि ग्राम में प्रति दिन घर-घर कचरा एकत्री करण का कार्य किया जा रहा है। प्रति स्वच्छाग्राही 5000 रूपए प्रतिमाह मानदेय दिया जा रहा है। इसी प्रकार सभी गांव में घर-घर कचरा एकत्रीकरण को बढ़ाकर 04 से 06 दिन किये जाने के लिए प्रेरित किया गया। श्री रूपेश पाण्डेय, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत दुर्ग द्वारा प्रतिवर्ष स्वच्छाग्रहियों को 15वें वित्त आयोग से 72000 रूपए मानदेय प्रदाय करने के लिए ग्राम पंचायत सचिवों को निर्देशित करने की सहमति दी गई है। स्वच्छाग्रहियों द्वारा रिक्शा की समय-समय पर मरम्मत करने हेतु मांग की गई जिसे श्री बजरंग दुबे द्वारा निर्देशित करते हेतु ग्राम पंचायत के माध्यम से मरम्मत किये जाने एवं आवश्यकतानुसार 15वें वित्त से नवीन रिक्शा खरीदी किये जाने हेतु आदेशित किया गया है।

छुरा बीईओ की मनमानी का मामला गरमाया – एक ही कर्मचारी को दो स्थानों की जिम्मेदारी, 60 किलोमीटर की दूरी पर कैसे निभाएगा दोनों जगह की ड्यूटी?

गरियाबंद (समय दर्शन)। विकास खंड शिक्षा कार्यालय छुरा में एक बार फिर नियमों को ताक पर रखकर आदेश जारी किए जाने का मामला सामने आया है।इस बार बीईओ (खंड शिक्षा अधिकारी) द्वारा की गई एक चौंकाने वाली कार्यवाही ने शिक्षकीय व्यवस्थाओं और प्रशासनिक पारदर्शिता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

दरअसल,छुरा बीईओ द्वारा जारी आदेश क्रमांक 0648/वि.ख.शि.अ./स्था./2025 दिनांक 15 जुलाई 2025 के अनुसार, संतोष कुमार साहू सहा.शि.एल.बी.,जो वर्तमान में संकुल समन्वयक के रूप में संकुल केंद्र रुवाड में कार्यरत हैं,उन्हें पाण्डुका संकुल का अतिरिक्त प्रभार भी सौंप दिया गया है।हैरानी की बात यह है कि रुवाड और पाण्डुका के बीच लगभग 60 किलोमीटर की दूरी है,और दोनों स्थानों में समुचित कार्य संचालन के लिए समर्पित समय और उपस्थिति की आवश्यकता होती है।

शिक्षा विभाग के नियमों के अनुसार,एक संकुल समन्वयक को एक ही केंद्र की जिम्मेदारी दी जाती है ताकि वह शालाओं के संचालन,निरीक्षण,शैक्षणिक गुणवत्ता और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में पूर्ण योगदान दे सके।लेकिन इस मामले में एक ही व्यक्ति को दो अलग-अलग और दूरस्थ संकुलों की जिम्मेदारी देकर न सिर्फशासन के दिशा-निर्देशों की अवहेलना की गई है,बल्कि इससे शिक्षा व्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

सेटिंग का खेल या अनदेखी?,,,स्थानीय लोगों और शिक्षकों का आरोप है कि यह फैसला 'सेटिंग'और सुविधा आधारित है, न कि योग्यता और आवश्यकता के आधार पर।सवाल यह भी उठ रहे हैं कि एक व्यक्ति यदि दोनों स्थानों पर कार्य नहीं कर पाता तो क्या वह दोनों जगह से वेतन लेगा? यह सीधा तौर पर सरकारी धन का दुरुपयोग माना जाएगा।

जिम्मेदार कौन?,,क्या बीईओ कार्यालय ने इस आदेश को जारी करते समय दोनों केंद्रों की भौगोलिक स्थिति, यातायात की सुविधा,कार्यभार की गंभीरता और प्रशासनिक व्यावहारिकता को नजरअंदाज कर दिया? या फिर यह निर्णय किसी अंदरूनी मैनेजमेंट का परिणाम है?

इस मामले को लेकर स्थानीय शिक्षकों और अभिभावकों में रोष है।उनका कहना है कि शिक्षा व्यवस्था की नींव को इस प्रकार के 'प्रबंधन आधारित फैसलों' से कमजोर किया जा रहा है।कई शिक्षक संगठनों ने जिला शिक्षा अधिकारी और कलेक्टर से इस आदेश की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है और आदेश को तत्काल निरस्त करने की मांग उठाई है।गरियाबंद जिले के शिक्षा प्रशासन में इस प्रकार की मनमानी नीतियां यदि इसी तरह जारी रहीं,तो इसका असर सीधे तौर पर विद्यालयों की गुणवत्ता,बच्चों की पढ़ाई और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर पड़ेगा।शासन को चाहिए कि वह इस तरह के आदेशों की समीक्षा कर जिम्मेदारों पर कार्रवाई करे,ताकि शिक्षा के क्षेत्र में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व सुनिश्चित हो सके।

ग्रामीण औद्योगिक पार्क (रिपा) में 2 लाख 80 हजार रूपये का सामान चोरी करने वाले 7 आरोपी गिरफ्तार

गरियाबंद। 16 जुलाई 2025 को जनपद पंचायत मैनपुर से प्रार्थी हेमंत तिर्की द्वारा थाना मैनपुर आकर रिपोर्ट दर्ज की ग्रामिण औद्योगिक पार्क (रिपा) ग्राम पंचायत भाठीगढ में कुछ अज्ञात चारों के द्वारा भंडार कक्ष से 05 नग सीलिंग फेन किमती 15000 रू., 100 बोरी महुआ किमती 2,20,000 रू. सिलाई मशीन 05 नग 30,000 रू., 01 नग बोर पम्प से 05 ।क्क किमती 15,000 रू. कुल जुमला 2,80,000 रू. के सामान को किसी अज्ञात चोर के द्वारा चोरी कर ले जाने का रिपोर्ट दर्ज कराया। प्राप्त शिकायत पर प्रथम दृष्टिया अपराध का घटित पाये जाने से अज्ञात आरोपियों के विरूद्ध अपराध धारा 331(4), 305 (इु) भारतीय न्याय सहिंता का होना पाये जाने पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा चोरी के अज्ञात आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिये गये। जिस पर थाना प्रभारी मैनपुर शिवशंकर हुर्रा के द्वारा थाने से टीम गठित कर आरोपी की पतासाजी हेतु मुखबीर लगा गया था। प्रकरण में विवेचना के दौरान जरिये मुखबीर के निशादेही पर संदेही आरोपी 01) मनोहर कुम्हार निवासी भठगांव 02) संतोष चक्रधारी निवासी भठगांव 03) किशोर यादव निवासी भाठीगढ़ 04) दुष्यंत चक्रधारी निवासी भाठीगढ़ 05) घनश्याम साण्डे निवासी भाठीगढ़ 06) टेमनलाल साहू निवासी हरदीभाठा 07) पुरूषोत्तम यादव ग्राम भठगांव को पुलिस अभिरक्षा में लेकर घटना के संबंध में बारी-बारी से पुछताछ करने पर सभी आरोपियों के द्वारा अपना-अपना जुर्म स्वीकार किया।

छीन तालाब जो जीर्णोद्धार के नाम से केवल खाना पूर्ति, बड़ी घटना को दे रहा निमंत्रण

गरियाबंद (समय दर्शन)। नगर का प्राचीन छीन तालाब जो नगर के लोगो को लिए एक समय वरदान हुआ करता था,जहा आज गंदगी और कमल पता के चलते अब पानी खुजलाने लगा है,जिससे अब लोग वहां नहाने कपड़ा धोने और अन्य नित कर्म के लिए परहेज करने लगे है।इस प्राचीन तालाब के जीर्णोद्धार और सफाई के लिए वार्ड वासियों के साथ नगर लोगो द्वारा लगातार मांग किया गया है।उस मांग को चलते कुछ बड़े जनप्रतिनिधि अपने मद से राशि तो आबंटित किए लेकिन उस राशि का उपयोग कहा किए और क्या काम हुआ ये किसी को समझ नहीं।अब उसी तालाब से लगा देवानी तालाब के बीच बना सीसी मार्ग जहा से अनेकों किसान अपने खेतों तक पहुंचते है यही मार्ग ग्राम किशोडार और तावर बहरा ग्राम को जोड़ता है उस मार्ग के बीचों बीच भरे बरसात में पानी निकासी के लिए मार्ग को तोड़ा गया है जिससे बड़ा गड्ढा हो गया है ,उस गड्ढे बीते रात बड़ी घटना होते होते बचा।गौरतलब है कि देवानी तालाब के पानी को निकासी के लिए सड़क को बीचोबीच खोदा गया है, उसी मार्ग से बीते बुधवार के रात को फुलकर्रा ग्राम का एक ट्रैक्टर खेत की जुताई कर वापस लौट रहा था उसी दरम्यान कटा मार्ग को देख नहीं पाया जिससे ट्रैक्टर सीधे गड्ढे में घुस गया और ट्रैक्टर चालक कुदकर अपनी जान बचाया।इस घटना को बाद उस जगह में भीड़ इकट्ठा हो गया और घंटों मशक्कत के बाद क्रेन के माध्यम से ट्रैक्टर को निकाला गया।

कार्यालय नगर पालिक निगम, दुर्ग

क्रमांक/337/रा.वि.बा./2025 दुर्ग, दिनांक 17.07.2025

नामांतरण सूचना विज्ञप्ति वर्ष 2025-26

सर्व साधारण को सूचना दी जाती है, कि छ.ग. नगर पालिक निगम, दुर्ग अधिनियम 1956 की धारा 167 के अंतर्गत निम्न लिखित व्यक्तियों को उनके नाम के सामने दुकान स्वामित्व परिवर्तन आवेदन किया गया है। संबंधित हित रखने वाले व्यक्ति सूचना प्रकाशन में 01 माह के अन्दर अपने आपत्ति लिखित में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें, समयावधि के पश्चात् आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

हस्तांतरिती का नाम	हस्तांतरण कर्ता का नाम	मोहल्ला	परिसर का नाम एवं दुकान क्रमांक	नामांतरण का आधार
श्री रोहणी कुमार कश्यप आ. श्री जगदीश कश्यप निवासी शंकर नगर वार्ड क्र. 11 दुर्ग	श्री अरूण कुमार मिश्रा आ. श्री जनक लाल मिश्रा निवासी पंचशील नगर वार्ड क्र. 01 दुर्ग	पंचशील नगर दुर्ग	इंदिरा मार्केट बी ब्लॉक प्रेस काम्प्लेक्स प्रथम तल स्थित दुकान क्रमांक- बी/09 दुर्ग	हक त्याग

बाजार अधिकारी
नगर पालिक निगम, दुर्ग

भविष्य की झलक अब मुंबई में : सैमसंग ने लॉन्च किया अत्याधुनिक बिज़नेस एक्सपीरियंस स्टूडियो

गुरुग्राम: भारत के अग्रणी कंज़्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने मुंबई के गोरेगांव ईस्ट स्थित ओबेरॉय कॉमर्ज-II की 28वीं मंज़िल पर अपने अत्याधुनिक बिज़नेस एक्सपीरियंस स्टूडियो का उद्घाटन किया है। यह भविष्य-केन्द्रित स्टूडियो, सैमसंग के उन्नत डिवाइसेज़ के बीच बेहतरीन आपसी तालमेल को दर्शाता है और BwB साझेदारों के लिए एकीकृत व्यावसायिक समाधानों की विस्तृत श्रृंखला पेश करता है। करीब 6,500 वर्गफुट में फैला यह शोकेस सेंटर विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों में इनोवेशन, योजना और खोज की संभावनाओं को साकार करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। मुंबई का यह BES, गुरुग्राम में पहले से मौजूद सैमसंग के एग्ज़ीक्यूटिव ब्रीफिंग सेंटर के बाद दूसरा बड़ा केंद्र है, जो कंपनी की इनोवेटिव टेक्नोलॉजी और BwB क्र सॉल्यूशंस को प्रदर्शित करता है। सैमसंग साउथवेस्ट एशिया के प्रेसिडेंट और सीईओ, जेबी पार्क ने कहा, सैमसंग में हमारा मानना है कि भविष्य का बिज़नेस ऐसे इंटेलिजेंट एक्सपीरियंस में है जो मानव-केंद्रित, परस्पर जुड़े हुए और सस्टेनेबल हों। मुंबई में शुरू किया गया यह बिज़नेस एक्सपीरियंस स्टूडियो हमारे इसी विज़न को सामने लाता है। यह एक ऐसा स्पेस है, जहां कंपनियां हमारे एआई-संचालित एडवांस्ड इनोवेशंस को असली माहौल में अनुभव कर सकती हैं—चाहे वह स्मार्ट क्लासरूम हों या ऑटोमेटेड होटल, इंटेलिजेंट हेल्थकेयर टूल्स हों या पेपरलेस बैंकिंग। हमारा उद्देश्य है डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन को असरदार, स्मार्ट और बड़े पैमाने पर अपनाने योग्य बनाना। यह स्टूडियो केवल तकनीक का प्रदर्शन नहीं है, बल्कि भारत और दुनिया भर के बिज़नेस पार्टनर्स के साथ मिलकर भविष्य के एंटरप्राइज तैयार करने के हमारे संकल्प का प्रतीक है। बीईएस मुंबई के उद्घाटन पर प्रतिक्रिया देते हुए, महाराष्ट्र सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक मंत्री श्री आशिष शेलार ने कहा, डिजिटल इंडिया मिशन अब तेज़ी से आगे बढ़ रहा है।

//कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) //

//ईश्तहार//

प्र.क्र. 202507100600028 अ-2
वर्ष 2024-25

एतद् द्वारा सर्व आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका श्रीमती धनेश्वरी वर्मा पिता/पति लक्ष्मण वर्मा, निवासी रेस्ट हाउस के पीछे वार्ड क्र.03 कोलिहामार तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.), के द्वारा ग्राम अखरा, प.ह.न. 35. तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 17/9 रकबा 0.0161 हे., भूमि पर आवासीय प्रयोजन में डायवर्सन कराने हेतु डायवर्सन किये जाने के लिये आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा. संहिता 1959 की धारा 172 के तहत प्रस्तुत किया है।

अत: जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को उजर दावा आपत्ति हो तो स्वयं या अपने अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से नियत दिनांक 30/07/2025 न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकते है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आवेदन में कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 26/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर लगाकर जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
पाटन, जिला दुर्ग

टाटा स्मारक केंद्र / TATA MEMORIAL CENTRE

परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार का एक सहायता अनुदान प्राप्त संस्थान / A Grant-in-Aid Institution under Department of Atomic Energy, Government of India.

Advt.No. TMC/AD-68/2025 उपलब्ध पद / POSITIONS AVAILABLE 09.07.2025

टाटा स्मारक केंद्र (टीएमसी) निम्न पदों के लिए आवेदन आमंत्रित करता है / Tata Memorial Centre (TMC) invites applications for the following posts :

स्थल: एचबीसीएच एवं आरसी, मुजफ्फरपुर / LOCATION: HBCH & RC, MUZAFFARPUR

1	कन्सल्टंट 'ई' (सिर और गर्दन ऑन्कोलॉजी) / CONSULTANT 'E' (HEAD & NECK ONCOLOGY)	27	वैज्ञानिक सहायक 'बी' (केंद्रीय स्टेराइल आपूर्ति विभाग) / SCIENTIFIC ASSISTANT 'B' (CENTRAL STERILE SUPPLY DEPARTMENT)
2	कन्सल्टंट 'डी' (ॲनेस्थेसियोलॉजी) / CONSULTANT 'D' (ANESTHESIOLOGY)	28	सहायक चिकित्सा सामाजिक कार्यकर्ता / ASSISTANT MEDICAL SOCIAL WORKER
3	कन्सल्टंट 'डी' (बायोकेमिस्ट्री) / CONSULTANT 'D' (BIOCHEMISTRY)	29	वैज्ञानिक सहायक 'बी' (बायोकेमिस्ट्री) / SCIENTIFIC ASSISTANT 'B' (BIOCHEMISTRY)
4	कन्सल्टंट 'डी' (दंत एवं कृत्रिम शल्य चिकित्सा) / CONSULTANT 'D' (DENTAL & PROSTHETIC SURGERY)	30	वैज्ञानिक सहायक 'बी' (साइटोपैथोलॉजी) / SCIENTIFIC ASSISTANT 'B' (CYTOPATHOLOGY)
5	कन्सल्टंट 'डी' (सामान्य चिकित्सा) / CONSULTANT 'D' (GENERAL MEDICINE)	31	वैज्ञानिक सहायक 'बी' (हेमॅटोपॅथोलॉजी) / SCIENTIFIC ASSISTANT 'B' (HEMATOPATHOLOGY)
6	कन्सल्टंट 'डी' (मेडिकल ऑन्कोलॉजी) / CONSULTANT 'D' (MEDICAL ONCOLOGY)	32	वैज्ञानिक सहायक 'बी' (माइक्रोबायोलॉजी) / SCIENTIFIC ASSISTANT 'B' (MICROBIOLOGY)
7	कन्सल्टंट 'डी' (माइक्रोबायोलॉजी) / CONSULTANT 'D' (MICROBIOLOGY)	33	वैज्ञानिक सहायक 'बी' (मॉलिक्यूलर लॅबोरेटरी) / SCIENTIFIC ASSISTANT 'B' (MOLECULAR LABORATORY)
8	कन्सल्टंट 'डी' (पॅथोलॉजी) / CONSULTANT 'D' (PATHOLOGY)	34	वैज्ञानिक सहायक 'बी' (पॅथोलॉजी) / SCIENTIFIC ASSISTANT 'B' (PATHOLOGY)
9	कन्सल्टंट 'डी' (उपशामक चिकित्सा) / CONSULTANT 'D' (PALLIATIVE MEDICINE)	35	वैज्ञानिक सहायक 'बी' (ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन) / SCIENTIFIC ASSISTANT 'B' (TRANSFUSION MEDICINE)
10	कन्सल्टंट 'डी' (रेडिएशन ऑन्कोलॉजी) / CONSULTANT 'D' (RADIATION ONCOLOGY)	36	वैज्ञानिक सहायक 'बी' (फिजियोथेरेपी) / SCIENTIFIC ASSISTANT 'B' (PHYSIOTHERAPY)
11	कन्सल्टंट 'डी' (रेडियोडायग्नोसिस) / CONSULTANT 'D' (RADIODIAGNOSIS)	37	वैज्ञानिक सहायक 'बी' (रेडिएशन ऑन्कोलॉजी) / SCIENTIFIC ASSISTANT 'B' (RADIATION ONCOLOGY)
12	कन्सल्टंट 'डी' (सर्जिकल ऑन्कोलॉजी) / CONSULTANT 'D' (SURGICAL ONCOLOGY)	38	वैज्ञानिक सहायक 'बी' (रेडियोडायग्नोसिस) / SCIENTIFIC ASSISTANT 'B' (RADIODIAGNOSIS)
13	कन्सल्टंट 'डी' (ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन) / CONSULTANT 'D' (TRANSFUSION MEDICINE)	39	तकनीशियन 'सी' (दंत एवं कृत्रिम शल्य चिकित्सा) / TECHNICIAN 'C' (DENTAL & PROSTHETICS SURGERY)
14	कन्सल्टंट 'डी' (प्रिवेंटिव ऑन्कोलॉजी) / CONSULTANT 'D' (PREVENTIVE ONCOLOGY)	40	सहायक नर्सिंग अधीक्षक / ASSISTANT NURSING SUPERINTENDENT
15	कन्सल्टंट 'डी' (बाल चिकित्सा ऑन्कोलॉजी) / CONSULTANT 'D' (PAEDIATRIC ONCOLOGY)	41	महिला नर्स 'सी' / FEMALE NURSE 'C'
16	कन्सल्टंट 'डी' (न्यूक्लियर मेडिसिन) / 'D' (NUCLEAR MEDICINE)	42	महिला नर्स 'बी' / FEMALE NURSE 'B'
17	कन्सल्टंट 'डी' (मौखिक शल्य चिकित्सा) / CONSULTANT 'D' (ORAL SURGERY)	43	महिला नर्स 'ए' / FEMALE NURSE 'A'
18	वैज्ञानिक अधिकारी 'सी' (सी.एस.एस.डी) / SCIENTIFIC OFFICER 'C' (C.S.S.D)	44	नर्स 'सी' / NURSE 'C'
19	मेडिकल फिजिसिस्ट 'सी' / MEDICAL PHYSICIST 'C'	45	नर्स 'बी' / NURSE 'B'
20	वैज्ञानिक अधिकारी 'सी' (पैथोलॉजी) / OFFICER 'C' (PATHOLOGY)	46	नर्स 'ए' / NURSE 'A'
21	वैज्ञानिक अधिकारी 'सी' (पब्लिक हेल्थ) / SCIENTIFIC OFFICER 'C' (PUBLIC HEALTH)	47	सहायक सुरक्षा अधिकारी / ASSISTANT SECURITY OFFICER
22	वैज्ञानिक अधिकारी 'सी' (फिजियोथेरेपी) / SCIENTIFIC OFFICER 'C' (PHYSIOTHERAPY)	48	कुक 'ए' / COOK 'A'
23	वैज्ञानिक अधिकारी 'एसबी' (बायोमेडिकल) / SCIENTIFIC OFFICER 'SB' (BIOMEDICAL)	ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 08.08.2025 (शाम 05.30 बजे तक; IST) है / Last date for online application is 08.08.2025 (upto 05.30 PM; IST)	
24	सहायक आहार विशेषज्ञ (खाद्य सेवा) / ASSISTANT DIETICIAN (FOOD SERVICE)		
25	फार्मासिस्ट 'सी1' / PHARMACIST 'C1'	अधिक जानकारी के लिए, कृपया हमारी वेबसाइट http://tmc.gov.in पर जाएँ और "करियर" पर क्लिक करें। (विज्ञापन संख्या: टीएमसी/एडी-68/2025) / For details, please visit our website: http://tmc.gov.in and click "Careers" (Advt. No.TMC/AD-68/2025)	
26	वैज्ञानिक सहायक 'बी' (चिकित्सा रिकॉर्ड, जैव सांख्यिकी और महामारी विज्ञान) / SCIENTIFIC ASSISTANT 'B' (MEDICAL RECORDS, BIOSTATISTICS & EPIDEMIOLOGY)		

cbc48149/12/0003/2526

नाम परिवर्तन

मैं शपथकर्ता रूबी यादव पति श्री अशोक यादव, उम्र 33 वर्ष, निवासी वार्ड नं. 17. गणेश चौक के पास, राजीव नगर छावनी भिलाई, तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.), मेरी पुत्री रूही कुमारी यादव (**Ruhi Kumari Yadav**) पिता श्री अशोक यादव (**Ashok Yadav**) माता रूबी यादव (**Rubi Yadav**) की जन्म तिथि 10/07/2024 है जो कि सत्य एवं सही है। मेरी पुत्री का जन्म प्रमाण पत्र उप-रजिस्ट्रार जना मृत्यु कार्यालय भिलाई, चरोदा, जिला दुर्ग (छ.ग.) से जारी हुआ है। मेरी पुत्री के नाम से जन्म प्रमाण पत्र जारी हुआ है जिसमें मेरी पुत्री का नाम आरूषि कुमारी यादव (**Aarushi Kumari Yadav**), दर्ज है जो कि गलत है।

मेरी पुत्री का सही एवं वास्तविक नाम रूही कुमारी यादव (**Ruhi Kumari Yadav**) है जो कि सत्य एवं सही है। मेरी पुत्री के आगे सभी शासकीय/अर्द्धशासकीय/वित्तीय संस्थान के दस्तावेज पर उसका सही एवं वास्तविक नाम रूही कुमारी यादव (**Ruhi Kumari Yadav**) दर्ज किया जावें। शासकीय गजट प्रकाशन पर मेरी पुत्री का सही एवं वास्तविक नाम रूही कुमारी यादव (**Ruhi Kumari Yadav**) दर्ज करवाना चाहती हूं। जिसके समर्थन में यह शपथ पत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता

नाम परिवर्तन

मैं उमाकांत जायसवाल पिता श्री ओमप्रकाश जायसवाल, उम्र 45 वर्ष, निवासी मिनीमाता पारा, स्टेशन मरोदा, नेवई, उतई, तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.), मेरा पुत्र अंकित जायसवाल (**Ankit Jaiswal**) पिता श्री उमाकांत जायसवाल (**Umakanth Jaiswal**) माता आरती जायसवाल (**Aarti Jaiswal**) का जन्म तिथि 04/04/2018 है जो कि सत्य एवं सही है। मेरा पुत्र के नाम से जन्म प्रमाण पत्र जारी हुआ है जिसमें मेरा पुत्र का नाम अनिकेत जायसवाल (**Aniket Jaiswal**), दर्ज है जो कि गलत है। मेरा पुत्र के नाम से शैक्षणिक अंकसूची जारी हुआ है जिसमें मेरा पुत्र का नाम अंकित जायसवाल (**Ankit Jaiswal**) दर्ज है जो कि सत्य एवं सही है।

मेरा पुत्र का सही एवं वास्तविक नाम अंकित जायसवाल (**Ankit Jaiswal**) है जो कि सत्य एवं सही है। मेरा पुत्र के आगे सभी शासकीय/अर्द्धशासकीय/वित्तीय संस्थान के दस्तावेज पर उसका सही एवं वास्तविक नाम अंकित जायसवाल (**Ankit Jaiswal**) दर्ज किया जावें। शासकीय गजट में मेरे पुत्र का सही एवं वास्तविक नाम अंकित जायसवाल (**Ankit Jaiswal**) दर्ज करवाना चाहता हूं। जिसके समर्थन में यह शपथ पत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता

नाम परिवर्तन

मैं बजेन्द्र कुमार अहिरवाल पिता श्री श्याम लाल अहिरवाल, उम्र 40 वर्ष, निवासी- प्लाट नं.-30/8, दया नगर, रिसाली भिलाई, तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.) ,मेरी पुत्री निशु अहिरवाल (**Nishu Ahirwal**) पिता श्री बजेन्द्र कुमार अहिरवाल (**Brajendra Kumar Ahirwal**) माता नीतू अहिरवाल (**Ahirwal Ahirwal**) की जन्म तिथि 10/12/2015 है जो कि सत्य एवं सही है। मेरी पुत्री के नाम से जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, शैक्षणिक अंकसूची, जारी हुआ है जिसमें मेरी पुत्री का नाम निव्रीति अहिरवाल (**Vivriti Ahirwal**), दर्ज है जो कि गलत है। मेरी पुत्री का सही एवं वास्तविक नाम निशु अहिरवाल (**Nishu Ahirwal**) है जो कि सत्य एवं सही है। मेरी पुत्री के आगे सभी शासकीय/अर्द्धशासकीय/वित्तीय संस्थान के दस्तावेज पर उसका सही एवं वास्तविक नाम निशु अहिरवाल (**Nishu Ahirwal**) दर्ज किया जावें। शासकीय गजट में मेरे पुत्री का सही एवं वास्तविक नाम निशु अहिरवाल (**Nishu Ahirwal**)दर्ज करवाना चाहता हूँ। जिसके समर्थन में यह शपथ पत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता

Before Hon'ble Public Notary, Saraipali, District Mahasamund

// Affidavit //

I, Mrs. Beena Jain, aged 40 years, W/o Naresh Kumar Jain, Caste - Jain, R/o House No. 103/1, Main Road, Village/Post Saraipali, Tehsil Saraipali, Padampur Road, Saraipali, District-Mahasamund (C.G.), do hereby solemnly affirm and state as under:

1. That my name and address are as mentioned above. **2.** That my name is recorded as Beena Jain in the B-1 land installment record located at Village Saraipali, and in my Aadhaar Card bearing number 7883 5481 7078 as "Beena Jain", and in HDFC Bank, Saraipali Branch, in Savings Account No. 50100706518941 as "Beena Jain", and in PAN Card bearing Permanent Account Number CBYPJ9539K as "Beena Jain". However, in my Transfer Certificate (Admission No. 3586), my name is mentioned as Meena Jain, and in the marksheets (8th, 10th, 12th) of my daughters Gracy Jain and Priyanshi Jain, mother's name is mentioned as "Beena Jain". All these names belong to me only, and I am known and recognized by all these names. **3.** That the names mentioned in Clause 2 across all documents refer to one and the same person myself and not to any other person. Hence, this affidavit is being submitted in support thereof. **4.** That I have not concealed any material facts

DEPONENT

Verification

I, Mrs. Beena Jain, aged 40 years, W/o Naresh Kumar Jain, Caste-Jain, R/o House No. 103/1, Main Road, Village/Post Saraipali, Tehsil Saraipali, Padampur Road, Saraipali, District - Mahasamund (C.G.), do hereby verify that the contents of Paragraphs 01 to 04 of this affidavit are true and correct to the best of my knowledge and belief. Verified and signed at Saraipali on this 17th day of July, 2025 (Thursday)

DEPONENT

संक्षिप्त-खबर

आयुक्त ने उद्योगो के केमिकल युक्त पानी का किया जांच

भिलाईनगर (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम भिलाई जोन क्रमांक 04 शिवाजी नगर खुर्सीपार क्षेत्र का आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के साथ जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे निरीक्षण किए। वार्ड क्रं. 41 राजीव नगर स्थित औद्योगिक क्षेत्र में संचालित उद्योगो में जल निकासी व्यवस्था एवं उद्योगो के के केमिकल युक्त पानी से बनी समस्या का अवलोकन किए। औद्योगिक क्षेत्र में बीईसी चौंक के समीपस्थ पावर ग्रीड में जल निकासी हेतु निरीक्षण किए। निरमा फैक्ट्री, के. एल. इंजीनियरिंग वर्क, सीस्कोल इण्ड्स्टिज, चंदना कंपनी के अंदर जाकर अवलोकन किया गया। फैक्ट्री से निकलने वाले केमिकल युक्त पानी का जांच किया गया। समीप क्षेत्र में स्थानीय नागरिको द्वारा नाली के उपर अतिक्रमण कर कब्जा कर लिया गया है, जिसके कारण नालियों की सफाई ठीक से नहीं हो पा रही है और सफाई कर्मियों को परेशानी होती है। अवैध कब्जा हटाने की कार्यवाही करने सहायक राजस्व अधिकारी बालकृष्ण नायडू को निर्देशित किए हैं। लाइट इंडस्ट्रियल क्षेत्र लक्ष्मण नगर में संचालित हो रहे अवैध खटालों का निरीक्षण किया गया। खटाल संचालको द्वारा सड़क पर गंदगी फैला दिया जा रहा है, जिससे स्थानीय नागरिको को बदबू का सामना करना पड़ रहा है। इन खटालों को लक्ष्मण नगर से हटाकर गोकुल नगर में शिफ्ट करने निर्देशित किया गया है। शासकीय हित में उपयोग हेतु निगम स्वामित्व के भूमि का अवलोकन किया गया। निरीक्षण के दौरान वार्ड 41 की पार्षद वीणा चंद्राकर, कार्यपालन अभियंता रवि सिन्हा, उप अभियंता चंद्रकांत साहू, जोन स्वास्थय अधिकारी हेमंत मांझी, स्वच्छता निरीक्षक अतुल यादव उपस्थित रहे।

विधायक के प्रयास से संवरेगी रिसाली की सड़क, नगरोत्थान के तहत मिले 19.41 करोड़

रिसाली (समय दर्शन)। राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष व दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर के प्रयास से नगर पालिक निगम की सड़क संवरेगी। नगरोत्थान के तहत निगम क्षेत्र की तीन सड़को का डामरीकरण कार्य किया जाएगा । इसके लिए शासन ने कुल 19 करोड़ 41 लाख रूपए की स्वीकृति दी है। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर के प्रयास से मैत्रीकुंज से मधुरिमा फेस 3 तक, आजाद चैक से आत्मानंद स्कूल कृष्णा टाकिज रोड तक एंव मुख्य मार्ग श्री राम चैक से बाला जी अपार्टमेंट तक के मुख्य मार्गो का संधारण और चैडी़करण किया जाएगा। सड़क के दोनो ओर आवश्यकतानुसार पेवर ब्लाक भी लगाया जाएगा। खास बात यह है कि दुर्ग ग्रामीण विधायक रिसाली के नागरिकों को मूलभूत सुविधा दिलाने प्रयासरत है। उनके ही प्रयास से विद्युतीकरण कार्य से लेकर नाली निर्माण समेत भवन निर्माण स्वीकृत हुआ है।

इन वार्डो को मिलेगी सुविधा : जिस मार्ग को संधारित किया जाएगा वह व्यस्त सड़कों में शामिल है। पूरे दिन लोगों की आवाजाही होती है। इसके अलावा वार्ड 27 मैत्रीनगर रिसाली, 28 शक्तिविहार रिसाली, 24 आजाद मार्केट रिसाली, 25 आशीष नगर पश्चिम रिसाली, 23 प्रगतिनगर रिसाली, वार्ड 05 एचएससीएल कालोनी रूआबांधा के नागरिकों को सुविधा मिलेगी।

विद्युतपोल पहले होगा शिफ्ट : सहायक अभियंता अखिलेश गुप्ता ने बताया कि कई जगह सड़क किनारे विद्युत पोल बेतरतीब तरीके से लगा हुआ है। उन्होंने बताया कि पहले विद्युत पोल को व्यवस्थित करने का कार्य किया जाएगा। इसके बाद डामरीकरण का कार्य आरंभ होगा।

डी.पी.एस. चैक मार्ग का भी होगा उद्धार : दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर के प्रयास से डी.पी.एस. चैक से कल्याणी मंदिर चैक तक भी चाड़ीकरण कार्य होगा। इस कार्य को पूर्ण करने भिलाई इस्पात संयंत्र ने सहमति देते हुए प्रक्रिया आरंभ कर दी है। उल्लेखनीय है कि यह मार्ग रिसाली सीमा क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए मुख्य सड़क है।

पालना केन्द्र में क्रेश वर्कर पद हेतु आवेदन 01 अगस्त तक आमंत्रित

दुर्ग/ परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई-2 के अंतर्गत नवीन स्वीकृत पालना/क्रेश(आंगनबाड़ी सह पालना) केन्द्र में क्रेश वर्कर के रिक्त पदों पर भर्ती किया जाना है। क्रेश वर्कर के लिए आवेदन 18 जुलाई से 01 अगस्त तक एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय भिलाई 02, पता-नगर पालिक निगम भिलाई चरोदा रोड, भिलाई 03 में सीधे अथवा पंजीकृत डॉक द्वारा जमा किया जा सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदन स्वीकार नही किए जाएंगे। नगर पालिका निगम भिलाई-चरोदा वार्ड क्रमांक 11 में नवीन सृजित पालना केन्द्र विद्युत मंडल भिलाई 03 के पालना केन्द्र में क्रेश वर्कर के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं।

सिंचाई विभाग की लापरवाही से घरों में घुसा नहर का पानी

पिथौरा (समय दर्शन)। महासमुंद जिला अंतर्गत विकासखण्ड पिथौरा के शरहद पर बसा ग्राम राजा सेवैया खुर्द के रिहायशी इलाके मे नहर का पानी घुसने से अनेक लोगों का जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। आपको बता दें कि,जिले मे वर्षा की बात करें तो महासमुन्द जिला के पिथौरा विकासखण्ड मे इस वर्ष सबसे ज्यादा बारीस का रिकार्ड दर्ज किया गया है।

ग्राम राजा सेवैया खुर्द मे बीते माह सिंचाई विभाग द्वारा नहर सुदृढ़ीकरण हेतु किये खुदाई अधूरा होने से बरसात मे नहर का पानी अब ग्राम के वार्ड क्रमांक 02और 03 के अनेक घरों मे घुस रहा है ।

इससे अनेक ग्रामीणों का रहना खाना पीना दूभर हो गया है। ग्रामीणों ने बताया कि, नहर मे साफ सफाई और खुदाई का काम किया जा रहा था, जिसमे शिकायत के चलते काम बंद कर दिया गया है। नहर का रास्ता जाम होने से,अब नहर का बहाव कई घरों को अपने चपेट ले लिया है। ग्रामीण साँप बिच्छू की डर से अपने बाल बच्चों और राशन व आवश्यकता सामानों को अन्यत्र सुरक्षित जगह मे रिश्तेदारों के घर पहुँचाया गया है।

विभाग के अधूरे कार्यों का नतीजा आम जनता को भोगना पड़ रहा है।

आंगनबाड़ी केंद्रों की बदली तस्वीर

- नौनिहालों के नन्हे कदमों से संवर रहा बचपन

महासमुन्द व्यूरो(समय दर्शन)। नन्हे कदमों से गूंजते आंगन, दीवारों पर रंग-बिरंगी पेंटिंग्स, कविताएं, गुनगुनाते बच्चे और खेल-खेल में सीखने की ललक, कुछ ऐसी ही सजीव छवि अब जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों की बन गई है।

महासमुंद शहरी सेक्टर-1 स्थित संजय नगर-2, दलदली रोड और विश्वकर्मा वार्ड के सक्षम आंगनबाड़ी केंद्र इसके सजीव मिसाल हैं,जहां आंगनबाड़ी अब केवल पोषण और देखभाल का केन्द्र नहीं, अपितु बच्चों के संपूर्ण विकास की पाठशाला बन चुकी हैं। इन केन्द्रों की सजावट किसी प्ले स्कूल से कम नहीं है। दीवारों पर उकेरी गई रंगीन चित्रकारी और शैक्षणिक चार्ट नन्हे मन को पढ़ाई की ओर आकर्षित कर रहे हैं। अक्षर ज्ञान, गिनती, कविताएं और व्यवहारिक जानकारियां बच्चों को सहज और रोचक तरीके से दी जा रही हैं। संदेशों के माध्यम से सामाजिक बदलाव की दिशा में भी कदम बढ़ाए जा रहे हैं।

जितनी अच्छी वजन की रेखा, उतना अच्छा बच्चा देखा, लड़का-लड़की एक समान जैसे संदेश दीवारों पर उकेरे गए हैं। जो देखभाल के साथ सामाजिक चेतना का संचार भी कर रहे हैं। यहां न केवल बच्चे बल्कि गर्भवती माताएं और किशोरी बालिकाएं भी लाभान्वित हो रही हैं। गर्भवती महिलाओं के लिए गर्म पौष्टिक भोजन की नियमित व्यवस्था है। साथ ही सुपोषण चौपाल जैसे आयोजनों के माध्यम से टीकाकरण व स्वास्थ्य परामर्श दिया जाता है। किशोरियों को स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

सेक्टर पर्यवेक्षक श्रीमती शीला प्रधान बताती हैं कि यहां मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना, नोनी सुरक्षा, महतारी वंदन, सुकन्या समृद्धि योजना जैसे कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इन योजनाओं के ज़रिए बालिकाओं और माताओं के स्वास्थ्य एवं अधिकारों की रक्षा की जा रही है।

आंगनबाड़ी केंद्रों में नियमित साफ-सफाई की जा रही है। आरओ वाटर प्योरीफायर, स्वच्छ किचन रूम और पर्याप्त खेल सामग्री यहां की विशेषता बन चुके हैं। बच्चों के लिए खेल घर उपलब्ध है और अर्ली चाइल्डहुड केयर के तहत भाषा, गणित आदि विषयों की बुनियादी जानकारी रोचक तरीकों से दी जा रही है। यहां पदस्थ आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रूपा भारती और अंजू चंद्राकर बताती हैं कि यहां बच्चों के अन्नप्राशन संस्कार से लेकर किशोरी बालिकाओं तक के लिए विशेष जागरूकता कार्यक्रम होते हैं। महतारी समिति की बैठकें भी नियमित होती हैं, जिससे माताओं की सहभागिता भी सुनिश्चित होती है।

अवैध रूप से शराब बिक्री करने वाले आरोपियों की धरपकड़ के लिए चलाया गया छापामार अभियान,19 आरोपियों को किया गया गिरफ्तार

भाटापारा (समय दर्शन)। पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता के कुशल निर्देशन में जिला बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस द्वारा अवैध रूप से शराब बिक्री करने वाले शराब कोचियों एवं सार्वजनिक स्थलों में शराब पीने वाले तथा अवैध चठना सेंटर का संचालन करने वाले असामाजिक तत्वों की धरपकड़ कार्यवाही लगातार जारी है। इसी क्रम में आज दिनांक 16.07.2025 को जिला बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस की अलग-अलग टीमों द्वारा थाना राजादेवरी, कसडोल, थाना भाटापारा ग्रामीण, भाटापारा शहर एवं सुहेला थाना क्षेत्र अंतर्गत महुआ शराब बनाने वाले, अवैध रूप से शराब बिक्री करने वाले सार्वजनिक स्थानों में बैठकर शराब पीने वाले एवं अवैध चखना सेंटर का संचालन करने वाले आरोपियों की धरपकड़ के लिए छापामार अभियान चलाया गया

अभियान में पुलिस टीम द्वारा दबिश देकर *अवैध महुआ शराब बनाने, अवैध रूप से शराब बिक्री करने, सार्वजनिक स्थल में बैठकर शराब पीने एवं अवैध चखना सेंटर का संचालन करने वाले कुल 19 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों से अलग-अलग मामलों में 14,060 कीमत मूल्य का 50 लीटर महुआ शराब एवं 58 पाव देसी मसाला शराब जप्त किया गया है। आरोपियों के विरुद्ध अपराध आबकारी एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर कार्यवाही की जा रही है।

महापौर अलका बाघमार ने वार्ड 56 की समस्याओं को लेकर अफसरों को दिए सख्त निर्देश

- नाली-सड़क और जलभराव की समस्या पर महापौर का संज्ञान, समाधान का दिया आश्वासन
- विकास से वंचित साईं नगर में महापौर की दस्तक, मूलभूत सुविधाओं पर लिया जायजा

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम दुर्ग की महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने आज वार्ड 56 साईं नगर बघेरा का निरीक्षण किया। यह क्षेत्र विगत वर्षों से मूलभूत सुविधाओं के अभाव, जैसे कि सड़क, नाली और जलनिकासी जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। अपने नियमित क्षेत्रीय निरीक्षण कार्यक्रम के तहत महापौर ने क्षेत्र के पार्षद व स्थानीय नागरिकों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना।

निरीक्षण के दौरान नागरिकों ने सड़कों की खराब हालत, नाली निर्माण की कमी और वर्षा जलभराव जैसी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। महापौर ने इन समस्याओं को त्वरित प्राथमिकता में लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जलभराव वाले क्षेत्रों में तत्काल जरूरत अनुसार डस्ट डलवाया जाए तथा पानी निकासी की समुचित व्यवस्था की जाए। महापौर श्रीमती बाघमार ने कहा कि जहां नालियों का अभाव है, वहाँ तत्काल नाली निर्माण के प्रस्ताव तैयार किए जाएं। उन्होंने क्षेत्र की गंदगी, गोबर भराव और खाली प्लॉटों में हो रहे जलभराव की भी समीक्षा की और सफाई अमले को मौके पर ही पानी निकासी व साफ-सफाई हेतु निर्देशित किया। उन्होंने कहा, नगर निगम का उद्देश्य शहर को स्वच्छ, सुंदर और सुव्यवस्थित बनाना है, और इसके लिए हर वार्ड में समस्याओं का समाधान हमारी प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान एमआईसी सदस्य देव नारायण चन्द्राकर,शेखर चन्द्राकर,मनीष साहू, पार्षद ललित ढीमर,दिनेश देवांगन,डिप्टी कमिश्नर मोहेंद्र साहू,सहायक अभियंता संजय ठाकुर,विनोद मांझी, विकास दमाहे,संजय मिश्रा,सिद्धार्थ शर्मा,सुरेश भारती एवं शेखर दुबे सहित निगम का संबंधित अमला उपस्थित रहे।

सावन उत्सव में महिलाओं ने दिखाई अपनी प्रतिभा

दुर्ग (समय दर्शन)। क्षत्रभ सिटी प्राइम सोसाइटी की महिलाओं द्वारा होटल कैम्बियन स्टेशन रोड में सावन उत्सव पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में महिलाओं के गीत-संगीत और नृत्य आकर्षण का केन्द्र रहे। वहीं महिलाओं ने मनोरंजक खेल स्पर्धा में शामिल होकर अपनी प्रतिभा साबित की। जिससे सावन उत्सव में जमकर खुशियां बिखरी। कार्यक्रम का संचालन हरप्रीत कौर दुआ, रेणुका, भाग्यलक्ष्मी द्वारा किया गया। इस अवसर पर सोसाइटी की महिलाएं बड़ी संख्या में शामिल हुई।

धान खरीदी वर्ष 2025-26 हेतु एग्रीस्टैक प्रोजेक्ट के अंतर्गत 1.23 लाख कृषकों का पंजीयन पूर्ण, पारदर्शी खरीदी प्रक्रिया की ओर बड़ा कदम

बेमेतरा (समय दर्शन)। आगामी धान खरीदी वर्ष 2025-26 को सुचारु, पारदर्शी एवं तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा एग्रीस्टैक प्रोजेक्ट के अंतर्गत कृषकों का पंजीयन अनिवार्य किया गया है। इस योजना के तहत बेमेतरा जिले में अब तक कुल 1.23 लाख कृषकों की किसान आईडी बनाकर पंजीयन की प्रक्रिया पूर्ण की जा चुकी है, जो पारदर्शी उपार्जन प्रक्रिया की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। प्रदेश स्तर पर एग्रीस्टैक पोर्टल के माध्यम से समर्थन मूल्य पर धान विक्रय के लिए किसान पंजीयन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2025 निर्धारित की गई है। इस प्रक्रिया में ई-केवाईसी आधारित पंजीयन किया जा रहा है, जिससे प्रत्येक कृषक की वास्तविक पहचान सुनिश्चित हो रही है और दोहराव की संभावना समाप्त हो रही है। राज्य शासन ने इस बार कृषि विभाग, खाद्य विभाग एवं राजस्व विभाग के मध्य इंटर-डिपार्टमेंटल समन्वय को विशेष रूप से सुदृढ़ किया है, ताकि सभी विभाग मिलकर किसानों को समयबद्ध लाभ पहुंचा सकें।

धान उपार्जन हेतु किसानों का पंजीयन एकीकृत किसान पोर्टल के माध्यम से किया जा रहा है, जो एग्रीस्टैक प्रोजेक्ट का हिस्सा है। इसमें न केवल नवीन पंजीयन की सुविधा है, बल्कि फसल रकबे में संशोधन, आधार सीडिंग और भूमि रिकॉर्ड का एकीकरण भी सुनिश्चित किया गया है। खाद्य विभाग के धान खरीदी पोर्टल को सीधे एग्रीस्टैक की फार्मर रजिस्ट्री से एपीआई के माध्यम से जोड़ा गया है, जिससे पंजीकृत किसानों का डाटा रीयल टाइम में अपडेट हो रहा है। वहीं, राजस्व विभाग द्वारा संचालित भुइयाँ पोर्टल में दर्ज भूमि की जानकारी और गिरदावरी रिकॉर्ड को भी आधार नंबर से जोड़ने का कार्य प्राथमिकता से किया जा रहा है। अब तक जिले में 85त्न भूमि रिकॉर्ड का आधार सीडिंग किया जा चुका है और शेष कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। जिले की सभी प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों को निर्देशित किया गया है कि वे शिविर लगाकर किसान पंजीयन और आईडी निर्माण का कार्य तेजी से करें। उल्लेखनीय है कि गतवर्ष कुल 1.65 लाख कृषकों का पंजीयन धान उपार्जन हेतु हुआ था, जिनकी भी आईडी इस बार एग्रीस्टैक में अपडेट की जा रही है। इस तकनीकी पहल से किसानों को न केवल योजनाओं का लाभ पारदर्शी तरीके से मिलेगा, बल्कि उपार्जन प्रक्रिया भी अधिक सहज और भरोसेमंद होगी 7 राज्य शासन की यह पहल डिजिटल इंडिया के तहत कृषि क्षेत्र में तकनीकी नवाचार का उदाहरण है, जिससे किसानों को सुविधा, पारदर्शिता और समयबद्ध लाभ सुनिश्चित हो सकेगा।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26